Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 331
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 06 दिसम्बर, 2025

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 सोलर एनर्जी मिलने से बिजली के रेट कम ....

4 भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के पीछे ....

7 मैनचेस्टर यूनाइटेड का वेस्ट हैम के खिलाफ ....

## संक्षिप्त न्यूज

### उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्ति पंजीकरण के लिए बड़ी राहतः किरेन रिजिजू ने दी तीन महीने की छूट

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार पंजीकरण की समय सीमा के बाद अगले तीन महीनों तक वक्फ कानून के तहत उम्मीद पोर्टल पर संपत्ति पंजीकृत करने वाले मुतवल्लियों पर जुर्माना नहीं लगाएगी या सख्त कार्रवाई नहीं करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा कि कई सांसदों और सामाजिक नेताओं ने समय सीमा, जो 5 दिसंबर है, बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने छह महीने की समय सीमा के बाद इसे देने से इनकार कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने मुतवल्लियों से आग्रह किया कि वे न्यायाधिकरण से संपर्क करें, क्योंकि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के तहत, न्यायाधिकरण को विस्तार देने का अधिकार है। किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ कानून बनाने के बाद, हमने 'उम्मीद' पोर्टल लॉन्च किया था और संबंधित पक्षों को पोर्टल पर सभी वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने के लिए छह महीने का समय दिया गया था। आज आखिरी दिन है, और लाखों संपत्तियां अभी भी पंजीकृत नहीं हुई हैं। कई सांसद और सामाजिक नेता मेरे पास समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध करने आए थे। अब तक, डेढ़ लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां 'उम्मीद' पोर्टल पर पंजीकृत हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि मैं सभी मुतवल्लियों को आश्वस्त करता हूँ कि अगले तीन महीनों तक, हम 'उम्मीद' पोर्टल पर पंजीकरण करने वालों पर कोई जुर्माना नहीं लगाएंगे या कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे। यदि आप पंजीकरण करने में असमर्थ हैं, तो मेरा अनुरोध है कि आप न्यायाधिकरण में जाएँ। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया था कि छह महीने की समय सीमा के बाद तारीख नहीं बढ़ाई जा सकती, लेकिन न्यायाधिकरण के पास इसे छह महीने तक आगे बढ़ाने का अधिकार है।

## भारत-रूस की दोस्ती 'ध्रुवतारे' जैसी, पीएम मोदी बोले- आतंकवाद पर साझा लड़ाई जारी रहेगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारत और रूस के बीच मित्रता की सराहना की और कहा कि उनका मानना है कि यह मित्रता दोनों देशों को भविष्य में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएगी। मोदी ने कहा कि पंद्रह साल पहले, 2010 में, हमारी साझेदारी को विशेष विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था। पिछले ढाई दशकों से, उन्होंने (राष्ट्रपति पुतिन) अपने नेतृत्व और दूरदर्शिता से इस रिश्ते को पोषित किया है। हर परिस्थिति में उनके नेतृत्व ने हमारे संबंधों को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। मैं अपने मित्र, राष्ट्रपति पुतिन के प्रति इस गहरी मित्रता और भारत के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

मोदी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा भारत-रूस साझेदारी का एक मज़बूत और महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में हमारा दशकों पुराना सहयोग हमारी साझा स्वच्छ ऊर्जा प्राथमिकताओं को साकार करने में महत्वपूर्ण रहा है। हम इस लाभकारी सहयोग को जारी रखेंगे। महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में हमारा सहयोग दुनिया भर में सुरक्षित और विविध आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

है। यह स्वच्छ ऊर्जा, उच्च तकनीक निर्माण और नए युग के उद्योगों में हमारी साझेदारी को मज़बूत समर्थन प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जहाज निर्माण में हमारे गहन सहयोग में मेक इन इंडिया को मज़बूत करने की क्षमता है। यह हमारे लाभकारी सहयोग का एक और उत्कृष्ट उदाहरण है, जो रोज़गार, कौशल और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि पिछले आठ दशकों में, दुनिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुज़रना पड़ा है। इन सबके बीच, भारत-रूस मैत्री, ध्रुव तारे की तरह अडिग रही है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने शुरू से ही यूक्रेन मुद्दे पर शांति की वकालत की है। हम इस मामले के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत हमेशा से अपना योगदान देने के लिए तैयार रहा है और भविष्य में भी रहेगा। भारत और रूस के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए हमने 2030 तक के आर्थिक सहयोग कार्यक्रम पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने जोर दिया कि भारत और रूस यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ शीघ्र मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए काम कर रहे हैं। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि भारत और रूस लंबे समय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर कायरतापूर्ण हमला, इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ वैश्विक एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भारत और रूस संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और अन्य मंचों पर घनिष्ठ सहयोग कर रहे हैं। हम इन सभी मंचों पर अपनी बातचीत और सहयोग जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अक्टूबर में, लाखों श्रद्धालुओं ने कलमीकिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मंच में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुझे खुशी है कि हम जल्द ही रूसी नागरिकों के लिए 30-दिवसीय निःशुल्क ई-पर्यटक वीज़ा और 30-दिवसीय समूह पर्यटक वीज़ा शुरू करने जा रहे हैं।

## पुतिन के सम्मान में भोजः थरूर आमंत्रित, राहुल-खड़गे को न्योता नहीं? कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया कि उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में आज शाम आयोजित होने वाले राष्ट्रपति भोज में आमंत्रित नहीं किया गया है। पुतिन दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर को इस रात्रिभोज का निमंत्रण मिला है। बाद में, उन्होंने निमंत्रण मिलने की पुष्टि की और कहा कि वह ज़रूर इस ??कार्यक्रम में शामिल होंगे।

थरूर ने कहा कि मुझे विपक्ष के नेता को आमंत्रित न किए जाने की जानकारी नहीं है, और मुझे यह भी नहीं पता कि निमंत्रण किस आधार पर जारी किए गए। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें आमंत्रित किए जाने पर गर्व है। सूत्रों के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व अवर महासचिव और व्यापक कूटनीतिक अनुभव वाले थरूर को रूसी कूटनीति के साथ उनके लंबे समय से जुड़े संबंधों को देखते हुए आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज शाम राष्ट्रपति भवन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन करेंगी। इस प्रकार, राष्ट्रपति भवन में राष्ट्राध्यक्षों को औपचारिक रात्रिभोज के साथ सम्मानित करने की दीर्घकालिक परंपरा जारी रहेगी। वहीं, पुतिन को शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ महत्वपूर्ण शिखर वार्ता से पहले राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत के दौरान 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। पुतिन के इस दौरे पर पश्चिमी देशों की नजर है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मोदी ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रूसी राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे पहले बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री ने रूसी नेता को निजी रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया था। औपचारिक स्वागत के बाद, पुतिन राजघाट पहुंचे और वहां महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। रूसी राष्ट्रपति कल शाम लगभग सात बजे नयी दिल्ली पहुंचे थे। वह चार साल बाद भारत की यात्रा पर आए हैं। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

## नेशनल हेराल्ड केसः डीके शिवकुमार को ईओडब्ल्यू का नोटिस, 19 दिसंबर तक मांगे गए सभी वित्तीय दस्तावेज

बंगलूरू। नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को नोटिस भेजा है। नोटिस में उनसे उनके पैसे से जुड़े सभी रिकॉर्ड, लेन-देन और कांग्रेस पार्टी से जुड़ी जानकारी देने को कहा गया है। उनसे 19 दिसंबर तक दस्तावेज जमा करने को कहा गया है। नोटिस 29 नवंबर को भेजा गया था, जिसमें जांचकर्ताओं ने शिवकुमार से उनके निजी बैकग्राउंड से लेकर कांग्रेस पार्टी में उनकी भूमिका तक की जानकारी मांगी है। आर्थिक अपराध शाखा ने साफ कहा है कि उन्हें पूरी जानकारी चाहिए कि पैसे कहां से आए और कहां भेजे गए।

**दान के पैसों पर सवाल**

नोटिस में यह पूछा गया है कि जिन दान या पेमेंट के नाम पर पैसे भेजे गए, वे किसके कहने पर भेजे गए थे। क्या उन्हें इस बात की जानकारी थी कि ये पैसे बाद में यंग इंडियन को भेजे जाएंगे, जो नेशनल हेराल्ड से जुड़ा हुआ है।

**पैसे का इस्तेमाल कैसे हुआ?**

आर्थिक अपराध शाखा ने पूछा है कि अगर शिवकुमार को पैसों के इस्तेमाल की जानकारी थी, तो वे बताएं कि पैसा कहां और कैसे खर्च किया गया। जांचकर्ता यह भी जानना चाहते हैं कि यह लेन-देन किस उद्देश्य से किया गया था और क्या इसके पीछे कोई निर्देश या दबाव था।

**मामले की जांच तेज हुई**

दिल्ली पुलिस अब इस मामले की जांच तेज कर रही है। नोटिस में यह भी साफ किया गया है कि शिवकुमार को सभी दस्तावेजों के साथ यह बताना होगा कि दान किसके निर्देश पर दिया गया और यंग इंडियन को पैसे क्यों भेजे गए। जांच एजेंसी इन दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। 19 दिसंबर को तय होगा कि शिवकुमार ने जानकारी दी या नहीं। अगर वे दस्तावेज समय पर नहीं देते, तो जांच और सख्त हो सकती है।

## 'नेहरू के विचारों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा', सोनिया गांधी बोलीं- सच दबाया नहीं जा सकता

नई दिल्ली।नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर बड़ा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना है। सोनिया ने कहा कि यह सिर्फ नेहरू की छवि मिटाने की कोशिश नहीं है, बल्कि देश की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक नींव को हिलाने का प्रयास है। उन्होंने साफ कहा कि ऐसा माहौल जानबूझकर तैयार किया जा रहा है ताकि नेहरू की सोच, योगदान और उनके द्वारा बनाए गए आधुनिक भारत के ढांचे को खत्म किया जा सके।

सोनिया गांधी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नेहरू के खिलाफ गलत बातें फैलाने की कोशिश लगातार जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नेहरू के विचारों और कामों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। उनके अनुसार, सरकार का मकसद सिर्फ उनका नाम कम करना नहीं है, बल्कि भारत की आज़ादी की लड़ाई में उनकी भूमिका को भी कमजोर दिखाना है। सोनिया ने कहा कि यह प्रक्रिया इतनी गहरी है कि नेहरू की विरासत को हटाकर इतिहास को नए तरीके से लिखने की कोशिश की जा रही है, जो देश के साथ धोखा है।

**नेहरू ने आधुनिक भारत की बुनियाद रखी- सोनिया गांधी**

सोनिया गांधी ने बताया कि नेहरू ने आधुनिक भारत की बुनियाद रखी। उन्होंने वैज्ञानिक सोच, तकनीकी क्षमता, बड़े उद्योग, योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था और धर्मनिरपेक्षता को आगे बढ़ाया। सोनिया ने कहा कि नेहरू का मतलब था- भारत की विविधताओं का सम्मान और एकता को मजबूत करना। उन्होंने याद दिलाया कि चाहे विज्ञान हो, विदेश नीति हो या लोकतांत्रिक ढांचा–हर जगह नेहरू की भूमिका आज भी दिखती है। सोनिया ने कहा कि नेहरू पर आलोचना हो सकती है, लेकिन झूठ फैलाना और उन्हें गलत साबित करना गलत है।

**इतिहास से छेड़छाड़ का लगाया आरोप**

सोनिया गांधी ने कहा कि वे लोग नेहरू को निशाना बना रहे हैं जिनका भारत की आज़ादी की लड़ाई से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी विचारधारा ने कभी संविधान निर्माण में योगदान नहीं दिया और यहां तक कि संविधान की प्रतियां भी जलाईं। सोनिया ने कहा कि यही विचारधारा नफरत फैलाती है और महात्मा गांधी की हत्या के लिए माहौल तैयार करती है। उन्होंने कहा कि आज भी इस विचारधारा के लोग गांधी के हत्यारों को सम्मान देते हैं। उनके अनुसार, यह सोच देश को गलत दिशा में ले जा रही है।

## झारखंड में अतिरिक्त सत्यापन की शर्त वाले मेमो को अदालत ने किया रद्द, कहा- सादगी ही सुशासन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि सरकारी लेन-देन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सादगी ही असल सुशासन है। कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड सरकार के उस 2009 के आदेश को अवैध करार दिया, जिसमें सहकारी समितियों को स्टांप शुल्क छूट पाने के लिए अतिरिक्त सत्यापन की शर्त दी गई थी। अदालत ने साफ कहा कि अनावश्यक और अतिरंजित शर्तें शासन को जटिल बनाती हैं और नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करती हैं।

जस्टिस पी. एस. नरसिंहा और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने कहा कि कोई भी कार्यकारी आदेश यदि अप्रासंगिक, अत्यधिक या बोझिल शर्तों को थोपता है, तो वह कानून की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी प्रक्रियाएं समय, धन और मानसिक शांति तीनों की अनावश्यक बर्बादी करती हैं। इसी सिद्धांत पर अदालत ने झारखंड सरकार के उस मेमो को रद्द कर दिया, जिसमें सहकारी समितियों के अस्तित्व की अतिरिक्त पुष्टि को दस्तावेज पंजीकरण की पूर्व शर्त बना दिया गया था।

अदालत ने कहा कि किसी सहकारी समिति का पंजीकरण प्रमाणपत्र ही उसके वैध अस्तित्व का अंतिम और निर्णायक प्रमाण है। इसलिए, सहकारी समिति के दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए असिस्टेंट रजिस्ट्रार से फिर से सिफारिश लेना न केवल अनावश्यक था बल्कि विधिक रूप से भी निरर्थक। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अतिरिक्त सत्यापन किसी भी तरह की वैल्यू एडिशन नहीं करता।

**हाई कोर्ट का फैसला पलटा**

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट के उस फैसले को भी पलट दिया, जिसने 2009 के मेमो को सही ठहराया था। अदालत ने आदर्श सहकारी गृह निर्माण स्वावलंबे सोसाइटी लिमिटेड की अपील को मंजूरी देते हुए कहा कि राज्य सरकार का कदम सहकारी समितियों के अधिकारों और कामकाज में अनावश्यक बाधा पैदा करता है।

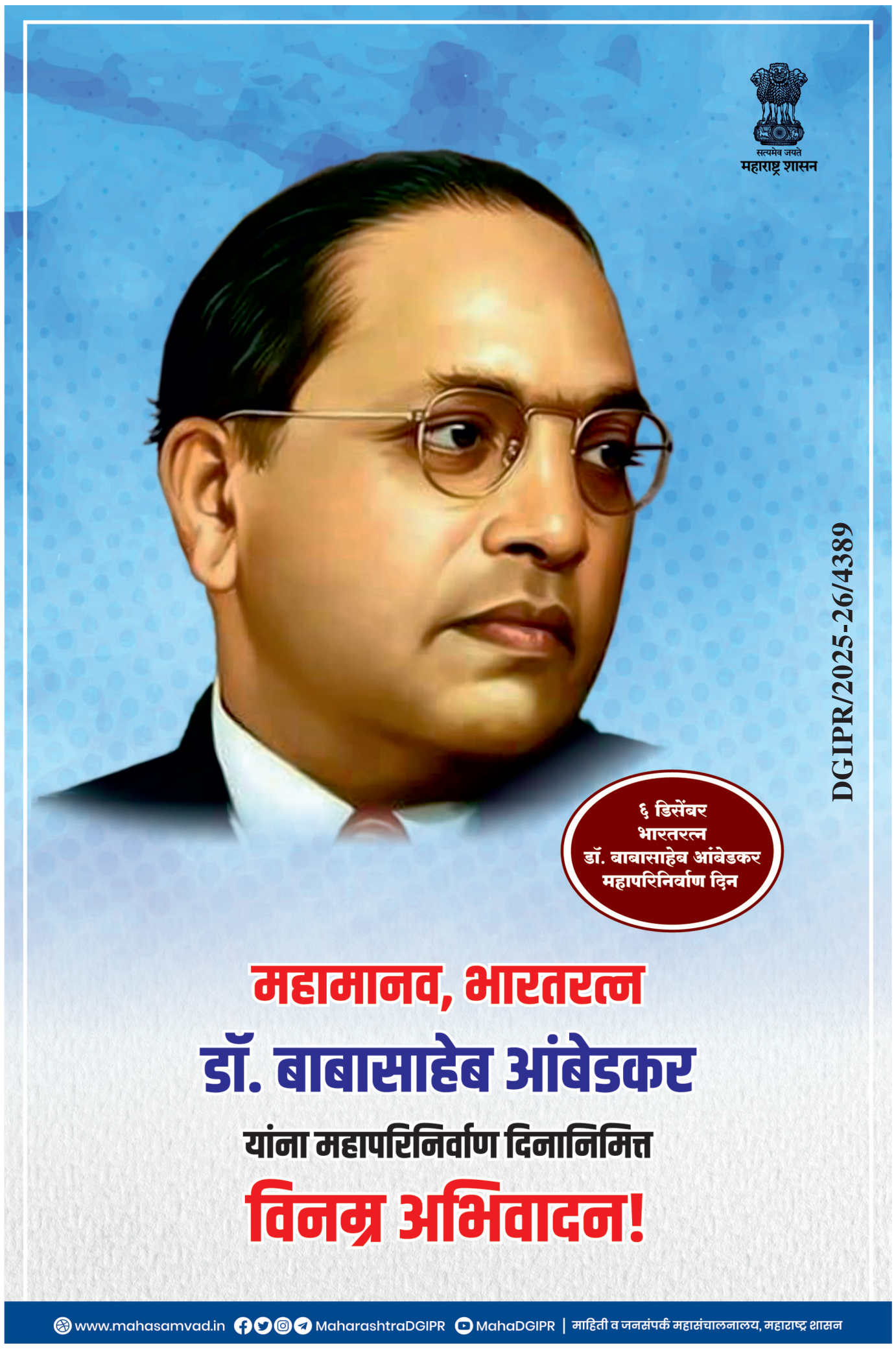

# 500 से ज़्यादा उड़ानें रद्द, प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार को घेराः अगर यात्रियों का ध्यान नहीं तो मंत्रालय बंद करें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को इंडिगो द्वारा कई हवाई अड्डों से रिकॉर्ड उड़ानें रद्द करने के बाद सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अगर नागरिक उड्डयन मंत्रालय यात्रियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है तो उसे चलाने का कोई मतलब नहीं है। एएनआई से बात करते हुए, चतुर्वेदी ने दावा किया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने यात्रियों को दरकिनार कर दिया है और एयरलाइन को नियंत्रित करने के बजाय उसकी सेवा कर रहा है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने ने कहा कि मैंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मुझे उम्मीद थी कि नागरिक उड्डयन मंत्री कल ही संसद में जानकारी देंगे, लेकिन दुर्भाग्य से कल ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने देर रात बैठक की और कुछ निर्देश जारी किए, लेकिन अगर इतनी सारी उड़ानें अभी भी रद्द हो रही हैं तो निर्देशों का

क्या मतलब है? अगर आप बढ़ते हवाई किराए और यात्रियों की शिकायतों के लिए ज़िम्मेदार नहीं हैं, तो नागरिक उड्डयन मंत्रालय को बंद कर दीजिए।

सभी उड़ानें आधी रात तक रद्द कर दी गई हैं। परिचालन संबंधी व्यवधानों और रद्दीकरण का सामना कर रही इंडिगो ने 10 फरवरी, 2026 तक अपने ए320 परिचालन संबंधी व्यवधानों के कारण दिल्ली से उड़ान भरने वाली इंडिगो की बेड़े के लिए कुछ उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) प्रावधानों से अस्थायी परिचालन छूट मांगी है और आश्वासन दिया है कि उस तारीख तक परिचालन स्थिरता बहाल हो जाएगी, नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) ने एक बयान में कहा।

देश भर में चल रहे एयरलाइन परिचालन व्यवधानों के बीच, 500 से अधिक इंडिगो उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गई हैं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। कई हवाई अड्डों पर यात्रियों ने गंभीर व्यवधान पर गहरी निराशा व्यक्त की, जिससे कई लोग स्पष्ट संचार या वैकल्पिक यात्रा विकल्पों के बिना फंसे रह गए। यात्रियों ने कहा कि कर्मचारियों की कमी और चालक दल के सदस्यों के लिए नए नियमों के कारण व्यवधानों ने यात्रियों को उचित संचार, भोजन या पानी के बिना घंटों तक हवाई अड्डों पर फंसे रहने के लिए मजबूर किया है।

# मुंबई उच्च न्यायालय ने लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने की मस्जिद की याचिका खारिज की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति देने के अनुरोध से संबंधित एक मस्जिद की याचिका खारिज कर दी और कहा कि उसे धार्मिक कार्यों को अधिकार का मामला बताकर लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने का हक नहीं है। अदालत ने उच्चतम न्यायालय के आदेशों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी धर्म में ध्वनि उपकरणों का इस्तेमाल करके या ढोल बजाकर प्रार्थना करने का आदेश नहीं है। न्यायमूर्ति अनिल पंसारे और न्यायमूर्ति राज वाकोड़े की पीठ ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा बार-बार सामने आ रहा है।

अदालत ने स्वतः संज्ञान लेते हुए महाराष्ट्र सरकार को एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने एक दिसंबर के आदेश में गोंदिया जिले की मस्जिद गौसिया की याचिका खारिज कर दी, जिसमें नमाज के लिए लाउडस्पीकर उपयोग करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता यह दिखाने के लिए कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका कि लाउडस्पीकर का उपयोग उनके धार्मिक कार्यों के लिए अनिवार्य/आवश्यक है। अदालत ने कहा, 'याचिकाकर्ता को धार्मिक कार्यों को अधिकार का मामला बताकर लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने का हक नहीं है। लिहाजा याचिका खारिज की जाती है।

# मध्य रेल और पश्चिम रेलवे ने नकली टिकट के खिलाफ़ मुहिम तेज़ की- नियम तोड़ने वालों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल और पश्चिम रेलवे ने मिलकर नकली टिकट के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सख्ती बढ़ाई है। यह हाल के दिनों में नकली/जाली/नकली टिकटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए किया गया है।

मध्य रेल और पश्चिम रेलवे के उपनगरीय नेटवर्क में टिकट चेकिंग की गतिविधियां तेज़ की जाएंगी। स्टेशनों और ट्रेनों में अनियमित यात्रा और नकली टिकटों पर यात्रा करने वालों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए स्पेशल टिकट चेकिंग टीमें तैनात की जाएंगी।

चेकिंग के तहत, यात्रियों को एक वैलिड पहचान पत्र साथ रखना होगा और उसे टिकट परीक्षक को दिखाना होगा। पहचान पत्र सीज़न टिकट पर दी गई जानकारी से मेल खाना चाहिए।

रेलवे नकली टिकट बनाने या इस्तेमाल करने वाले लोगों के खिलाफ़ कड़ा रुख अपना रहा है। यात्रियों को नकली यात्रा टिकट पाने या बनाने के लिए कोई भी धोखाधड़ी वाला तरीका अपनाने के खिलाफ़ सख्त चेतावनी दी जाती है। भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 के अलग-अलग सेक्शन के तहत नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी, जिसमें 318(2), 336(3), 336(4), 340(1), 340(2), और 3/5 शामिल हैं, जो धोखाधड़ी और जालसाजी और उससे जुड़े अपराधों से जुड़े हैं। सज़ा में जुर्माना और 7 साल तक की जेल, या दोनों हो सकते हैं।

मध्य रेल और पश्चिम रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे ऑथराइज़्ड वेंडर से जारी वैलिड टिकट या रेलवे स्टेशन बुकिंग काउंटर से या ATVM से ही टिकट लेकर यात्रा करें।

यात्री अपने मोबाइल फ़ोन पर UTS ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं और मोबाइल UTS ऐप से टिकट बुक कर सकते हैं।

सम्मान के साथ यात्रा करें-सुरक्षित यात्रा करें।

# नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में 'मैनहोल से मशीनहोल' टॉपिक पर शानदार प्रेजेंटेशन

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को ग्लोबल कॉन्फ्रेंस 'वर्ल्ड टॉयलेट समिट 2025' में अपने सफलतापूर्वक लागू किए गए 'मैनहोल से मशीनहोल' पहल को पेश करने के लिए इनवाइट किया गया था। नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए यह बहुत सम्मान की बात है कि उसे एक इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर अपनी शानदार पहलों को पेश करने का मौका मिला।

म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे की मंज़ूरी और एडिशनल सिटी इंजीनियर अरविंद शिंदे के गाइडेंस में, NMMC के डिप्टी इंजीनियर श्री स्वप्निल देसाई ने नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से 'मैनहोल से मशीनहोल - ऑपरेशन्स में एफिशिएंसी' टॉपिक पर एक असरदार प्रेजेंटेशन दिया। इस जानकारी भरे प्रेजेंटेशन की अलग-अलग देशों से आए प्रतिनिधियों ने

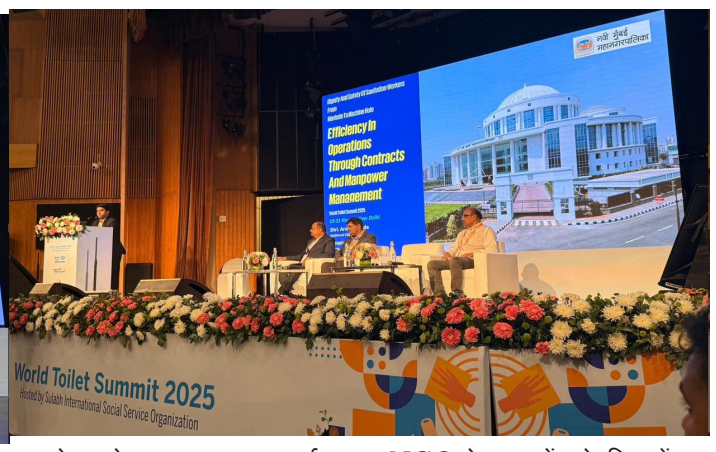


तारीफ़ की। साथ ही, कई देशों के प्रतिनिधियों ने इस मॉडल का अध्ययन करने के बाद इस वर्किंग सिस्टम को अपनाने में दिलचस्पी दिखाई। नवी मुंबई म्युनICipal कॉर्पोरेशन को वर्ल्ड टॉयलेट ऑर्गनाइजेशन के फाउंडर जैक सिम ने सम्मानित किया। इस कॉन्फ्रेंस में भूटान, कनाडा, कतर, साउथ अफ्रीका, सिंगापुर, थाईलैंड, बांग्लादेश, स्वीडन और दूसरे देशों के साथ-साथ भारत के कई बड़े शहरों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

वर्ल्ड टॉयलेट ऑर्गनाइजेशन सैनिटेशन के अलग-अलग क्षेत्रों में चुनौतियों और अवसरों, इनोवेटिव टेक्नोलॉजी पर लागू की गई पहलों के फायदों और भविष्य के सस्टेनेबल सैनिटेशन सिस्टम का अध्ययन करने के लिए काम कर रहा है। इनके ज़रिए, यह कॉन्फ्रेंस हर साल ग्लोबल लेवल पर स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, वेस्टवॉटर मैनेजमेंट, सुरक्षित सैनिटेशन सिस्टम जैसे ज़रूरी विषयों पर चर्चा करने और जानकारी और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए आयोजित की जाती है।

यह समिट, जो हर साल आयोजित होती है, दुनिया भर के अलग-अलग क्षेत्रों के जाने-माने एक्सपर्ट्स, रिसर्चर्स, सरकारी अधिकारियों और NGO के प्रमुखों को विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ लाती है। नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सीवेज मैनेजमेंट में सैनिटेशन सिस्टम के बारे में जानकारी देने के लिए ऐसे इंटरनेशनल लेवल की कॉन्फ्रेंस में इनवाइट किया जाना म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए एक ग्लोबल सम्मान की बात है।

# पश्चिम रेलवे चलाएगी चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - भिवानी, मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा एवं वलसाड - बिलासपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल (द्विसाप्ताहिक)(14 फेरे)

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 14.35 बजे भिवानी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच,

चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली और चरखी दादरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल (32 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती स्पेशल मंगलवार एवं शुक्रवार को छोड़कर सभी दिनों में 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी।

यह ट्रेन 08 दिसम्बर से 29 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल स्पेशल बुधवार एवं शनिवार को छोड़कर सभी दिनों में 10.15 बजे शकूर बस्ती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां एवं दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को 10.00 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुर्गापुरा - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर 2025 को 12.25 बजे दुर्गापुरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवंनी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर एवं बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 08244/08243 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 08244 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 16.50 बजे वलसाड से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 दिसम्बर 2025 से 09 जनवरी 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08243 बिलासपुर - वलसाड स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 16.00 बजे बिलासपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बड़नेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर एवं भाटापारा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09003 एवं 09730 की बुकिंग 06.12.2025 से, ट्रेन संख्या 09001 की बुकिंग 07.12.2025 से तथा ट्रेन संख्या 08244 की बुकिंग 08.12.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

# राज्य में रेत घाटों की नीलामी 30 दिसंबर तक पूरी करें- रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

मुंबई। रेत घाटों की नीलामी के लिए एनवायरनमेंट कमिटी से सभी मंज़ूरी लेने का प्रोसेस पूरा करें और राज्य में रेत घाटों की नीलामी 30 दिसंबर तक पूरी करें, साथ ही घर बनाने के लिए रेत पॉलिसी में दी गई कार्रवाई में भी तेज़ी लाएं।

रेत पॉलिसी को लेकर मिनिस्ट्री में एक मीटिंग हुई। इस समय रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले इस मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए बोल रहे थे। मीटिंग में रेवेन्यू डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी विकास खड़गे, राज्य के सभी रेवेन्यू डिविजनल कमिश्नर, सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए मौजूद थे।

रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि रेवेन्यू ऑफिसर रेत घाटों की नीलामी तय समय में हो, इसके लिए तेज़ी से और सरकारी गाइडलाइन के हिसाब से कार्रवाई करें। इस नीलामी के लिए एनवायरनमेंट और रेवेन्यू डिपार्टमेंट मिलकर काम करें। एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से परमिशन मिलने के बाद बिना किसी देरी के रेत के गड्ढे की नीलामी की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि रेत के गैर-कानूनी निकालने, ट्रांसपोर्टेशन और चोरी को रोकने के लिए सख्त कानूनी कदम उठाए जाने चाहिए।

रेवेन्यू डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी विकास खड़गे ने डिपार्टमेंट-वाइज और डिस्ट्रिक्ट-वाइज रेत पॉलिसी के मौजूदा स्टेटस का रिव्यू किया।


**पश्चिम रेलवे**

**मरम्मत का काम**

डिविजनल रेलवे मैनेजर, पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, ई-टेंडर नोटिस नंबर: BCT/25-26/274 तारीख 03.12.2025 जारी करता है। **काम और जगहः** बांद्रा टर्मिनसः 730 दिनों की अवधि के लिए रोज़ाना ज़रूरत के हिसाब से मरम्मत का काम। **काम की अनुमानित लागतः** 1,09,66,651.11. **ईएमडीः** 2,04,800/-. **जमा करने की तारीख और समयः** 30.12.2025 तक, 15:00 बजे तक। **खोलने की तारीख और समयः** 30.12.2025 को 15:30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0868

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly


# उत्तर भारतीयों की राय लेकर चुनावी घोषणापत्र तैयार करेगी कांग्रेस, 'चर्चा मुद्दों पर' अभियान की शुरूआत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। देश की सबसे बड़ी और अमीर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में एक बार फिर उत्तर भारतीय मतदाता राजनीति के केंद्र में हैं। बीएमसी चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस ने अपने पुराने वोटबैंक पर ध्यान केंद्रित कर उत्तर भारतीयों को लुभाने की कोशिश शुरू की है। इसके तहत मुंबई कांग्रेस ने उत्तर भारतीय समाज से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देने के लिए 'चर्चा मुद्दों पर' नामक व्यापक जनसंपर्क अभियान की घोषणा की है। यह अभियान 7 दिसंबर से 21 दिसंबर तक चलाया जाएगा।

मुंबई कांग्रेस उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एड. अवनीश सिंह के नेतृत्व में यह अभियान शहर के विभिन्न इलाकों में चलाया जाएगा। इस दौरान प्रकोष्ठ की टीमें मुंबई के तबेलों, धोबी घाटों,

ऑटो-रिक्शा व टैक्सी चालकों, फेरीवालों और श्रमिक समुदाय वाले क्षेत्रों में जाकर उत्तर भारतीय समाज की वास्तविक समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझाव दर्ज करेंगी। अभियान के दौरान प्राप्त सभी मुद्दों को संकलित कर आगामी बीएमसी चुनाव के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। सिंह ने बताया कि मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद वर्षा गायकवाड चाहती है कि इसके जरिए उत्तर भारतीय समाज की चिंताओं का ठोस और नीतिगत समाधान सुनिश्चित किया जा सके। मुंबई में करीब 40 लाख उत्तर भारतीय रहते हैं, जिनकी मुंबई के किसी भी चुनाव में महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका रहती है। 2014 से पहले उत्तर भारतीय कांग्रेस के कोर मतदाता थे जो भाजपा के साथ हो गए। अवनीश सिंह ने कहा कि यह अभियान केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि उत्तर भारतीय समाज को नीति निर्माण की मुख्यधारा में लाने का सशक्त प्रयास है। कांग्रेस हर वर्ग की बात सुनने और उसे समाधान तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुंबई कांग्रेस को विश्वास है की यह विशेष अभियान उत्तर भारतीय समाज और कांग्रेस पार्टी के बीच विश्वास, सहभागिता और जनसरोकार को और मजबूत करेगा।


**पश्चिम रेलवे**

**विभिन्न कार्य**

डिविजनल रेलवे मैनेजर, पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, ई-टेंडर नोटिस नंबर: BCT/25-26/272 तारीख 02/12/2025 आमंत्रित करता है। **काम और स्थानः (i)** उधना-उकाई सोंगध सेक्शनः ADEN-व्यारा सेक्शन के तहत अलग-अलग रोड अंडर ब्रिज पर सीपेज, रनऑफ पानी और वॉटर लॉगिंग से बचने के लिए अप्रोच वॉल, सड़कें, मिट्टी का काम, ग्राउटिंग वगैरह को ऊंचा करना। (ii) उधना-उकाई सोंगध सेक्शनः बड़े ब्रिज नंबर 17, 52, 26, 60, 63 और 70 की टो वॉल, रिटर्न वॉल, बैलास्ट वॉल, स्लैब, पियर अबटमेंट वगैरह को मज़बूत करना। **काम की अनुमानित लागतः** 6,60,72,341.78 रुपये। **ईएमडीः** 4,80,400/-. **जमा करने की तारीख और समयः** 26.12.2025 तक, 15:00 बजे तक। **खुलने की तारीख और समयः** 26.12.2025 को 15:30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0866

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly



**रुचि की अभिव्यक्ति का आमंत्रण सूचना**

मुंबई मंडल ने खार रोड स्टेशन पर नव-निर्मित 200 मीटर x 22 मीटर का एलिवेटेड डेक चालू किया हैं। यह डेक केवल एक पैदल मार्ग नहीं है, बल्कि खार वेस्ट और बांद्रा ईस्ट को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण गलियारा है। रेल प्रशासन इस खाली स्थान को एक प्रीमियम यात्री अनुभव केंद्र (Passenger Experience Hub) में परिवर्तित करने के लिए इसके विकास, संचालन एवं रखरखाव हेतु एक एकल मास्टर लाइसेंसी (Single Master Licensee) नियुक्त करना चाहता है। यह EOI बाजार की रुचि जानने तथा मास्टर लाइसेंस के लिए अवधारणाएँ प्राप्त करने के उद्देश्य से जारी की गई है। यह न तो कोई निविदा है और न ही किसी अनुबंध में प्रवेश करने का प्रस्ताव। प्राप्त सुझावों के आधार पर आगामी ई-नीलामी (E-Auction) हेतु लॉट साइज, आरक्षित मूल्य (Reserve Price) एवं विशेष शर्तें Non-Fare Revenue (NFR) नीति के अंतर्गत निर्धारित की जाएंगी।

**कार्यक्रम एवं प्रस्तुति प्रक्रिया**

| कार्यक्रम | तारीख और समय | स्थान / विवरण |
|---|---|---|
| प्री-बिड मीटिंग | 09-12-2025 at 15:30 Hrs. | सीनियर DCM ऑफिस, मुंबई सेंट्रल इच्छुक पार्टियां 07/12/2025 तक ईमेलः srdcm@bct.railnet.gov.in के ज़रिए वीडियो कॉन्फ्रेंस लिंक का अनुरोध कर सकती हैं। |
| प्रस्तुतीकरण प्रारंभ | 18-12-2025 from 11:00 Hrs. | डिविजनल रेलवे मैनेजर के ऑफिस, कमर्शियल डिपार्टमेंट, मुंबई सेंट्रल में ड्रॉप बॉक्स। |
| प्रस्तुत करने की समय सीमा | 18-12-2025 upto 15:00 Hrs. | सील किया हुआ लिफाफा तय ड्रॉप बॉक्स में डालें। |
| वेबसाइट | EOI की डिटेल्स यहां डाउनलोड करें: wr.indianrailways.gov.in | |

Scan QR Code to view the EOI

**पश्चिम रेलवे**
wr.indianrailways.gov.in

Like us on : facebook.com/WesternRly | Follows us on : X.com/WesternRly 0865

# सोलर एनर्जी मिलने से बिजली के रेट कम होंगे - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

## सोलर एग्रीकल्चरल पंप स्कीम का रिकॉर्ड गिनीज बुक में दर्ज

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र देश में खेती में सबसे ज़्यादा सोलर एनर्जी इस्तेमाल करने वाला राज्य बन गया है। हम किसानों के लिए फीडर को सोलर एनर्जी पर लाएंगे और खुद से 16 हज़ार मेगावाट बिजली बनाएंगे। इसलिए, हम दूसरे इस्तेमाल के लिए बिजली के रेट हर साल 3 परसेंट कम कर सकते हैं और कंज्यूमर्स को सस्ती बिजली दे सकते हैं, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

महाराष्ट्र ने 'सोलर एग्रीकल्चरल पंप स्कीम' में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। महावितरण ने एक ही महीने में 45 हज़ार 911 सोलर एग्रीकल्चरल पंप लगाने का रिकॉर्ड बनाया। यह रिकॉर्ड गिनीज बुक में दर्ज हुआ। गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिकेट देने का समारोह छत्रपति संभाजीनगर के शेंद्रा श्छण के ऑरिक सिटी ग्राउंड में हुआ। इस समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस चीफ गेस्ट थे। इस वर्ल्ड रिकॉर्ड की घोषणा करने के लिए गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के कार्ल सबेले मौजूद थे।

इस समारोह में राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग और गैर-पारंपरिक ऊर्जा मंत्री अतुल सावे, राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डिकर, श्रीं सर्वश्री संजय केनेकर, नारायण कुचे, प्रशांत बंबा, सुरेश धास, श्रीमती अनुराधा चव्हाण, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार और MITRA के डायरेक्टर प्रवीण परदेशी, ऊर्जा विभाग की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी आभा शुक्ला, महावितरण के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर लोकेश चंद्र, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर आदित्य जीवने, जॉइंट सेक्रेटरी (एनर्जी) नारायण कराड, इंडिपेंडेंट डायरेक्टर विश्वास पाठक, डायरेक्टर सचिन तालेवार (ऑपरेशंस/प्रोजेक्ट्स), योगेश गडकरी (कॉमर्स), राजेंद्र पवार (ह्यूमन रिसोर्स), एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर धनंजय औंधेकर, चीफ इंजीनियर पवन कुमार कछोट के साथ-साथ एक्टर संदीप पाठक, योगेश शिरसाट और दूसरे गणमान्य लोग शामिल हुए।

सोलर पंप लगाने की कैपेसिटी बढ़ाई गई

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भयंकर सूखे का सामना करते हुए हमेशा पानी और बिजली की समस्या रहती थी। जलयुक्त शिवार स्कीम से पानी तो मिला, लेकिन बिजली की समस्या की वजह से किसानों को सिंचाई करने में दिक्कत होती थी। मुख्य मांग दिन में बिजली मिलना थी। रात में खेतों में जहरीले जीव-जंतुओं के जाने का डर रहता था। इसके लिए सरकार ने किसानों के फीडर सोलर बनाने का फैसला किया। उसी से एक लाख सोलर पंप का प्लान बनाया गया। यह स्कीम इतनी अच्छी थी कि सेंटर के ज़रिए दूसरे राज्यों को लेटर भेजा गया कि दूसरे राज्य भी इसे इसी तरह लागू करें। उसी के हिसाब से सेंटर का प्लान 'कुसुम' तैयार किया गया। इस स्कीम के तहत आज राज्य ने देश में सबसे ज़्यादा 7 लाख पंप लगाए हैं। किसानों ने इसकी मांग की थी, इसलिए हमने उन पंपों को लगाने की कैपेसिटी बढ़ाकर इंतज़ार का समय कम कर दिया है। महावितरण के कर्मचारी और अधिकारी। सभी सप्लायर के कर्मचारियों और टेक्नीशियन की कड़ी मेहनत की वजह से हम आज यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बना पाए। उन्होंने भरोसा जताया कि अब हम यह रिकॉर्ड तोड़ देंगे। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि अगले साल तक सोलर एग्रीकल्चरल पंप की संख्या 1 मिलियन तक पहुंच जानी चाहिए।

# हेल्थ सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम- प्रकाश अबितकर

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

राज्य में पब्लिक हेल्थ सिस्टम को ज़्यादा लोगों पर केंद्रित, ज़्यादा बेहतर, टेक्नोलॉजी पर आधारित और सर्विस पर केंद्रित बनाने के लिए, पब्लिक हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश अबितकर ने कहा कि राज्य भर में पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के अलग-अलग कैडर में काम करने वाले लगभग दो लाख कर्मचारियों को अलग-अलग फेज़ में ट्रेनिंग दी जाएगी।

पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रेनिंग के बारे में मुंबई के हेल्थ सर्विसेज़ कमिश्नरेट में एक प्रेजेंटेशन दिया गया। मीटिंग में राज्य के हेल्थ और फैमिली वेलफेयर ट्रेनिंग सेंटर के प्रिंसिपल, हेल्थ ट्रेनिंग संस्थानों के प्रतिनिधि, हेल्थ डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी डॉ. निपुण विनायक, सेक्रेटरी ई. रवींद्रन, हेल्थ सर्विसेज़ कमिश्नर डॉ. कादंबरी बलकवड़े, हेल्थ डायरेक्टर डॉ. नितिन अंबाडेकर और संबंधित सीनियर अधिकारी शामिल हुए।

ट्रेनिंग हेल्थ सेक्टर का एक बहुत ज़रूरी हिस्सा है। हेल्थ मिनिस्टर ने कहा कि क्योंकि लोगों को बेहतर सर्विस देने, बेहतर इलाज देने, काम करने की क्षमता में सुधार लाने, टेक्निकल स्किल हासिल करने और काम करने की क्षमता बढ़ाने में ट्रेनिंग एक ज़रूरी चीज़ है, इसलिए हेल्थ डिपार्टमेंट में अलग-अलग पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों को टेक्निकल और एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग दी जाएगी।

इस मौके पर SERCH, PHFI, IMMAST, इनिशिएटिव ऑफ़ चेंज, ताम्हिनी घाट पुणे जैसे ट्रेनिंग संस्थानों ने प्रेजेंटेशन दिए। इन संस्थानों से ट्रेनिंग पाने वाले हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक वीडियो सिस्टम के ज़रिए अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग से उनकी टेक्निकल स्किल, नैतिक मूल्य, टीम मैनेजमेंट, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, लीडरशिप मैनेजमेंट और कॉन्फिडेंस बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेनिंग फायदेमंद रही है और लोगों को बेहतर हेल्थ सर्विस देने में ज़रूर काम आएगी।

हॉस्पिटल का जनरल मैनेजमेंट, मरीज़ को दिया जाने वाला इलाज, इलाज में मॉडर्न टेक्निकल स्किल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समेत सभी मॉडर्न एलिमेंट को एजुकेशन में शामिल किया जाना चाहिए। हेल्थ मिनिस्टर ने यह भी सुझाव दिया कि ट्रेंड कर्मचारियों को 'मास्टर ट्रेनर' बनना चाहिए और दूसरे कर्मचारियों को ट्रेनिंग देनी चाहिए।

# वर्ल्ड डिसेबल्ड डे के मौके पर विले पार्ले में कल्चरल प्रोग्राम

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

टैलेंटेड डिसेबल्ड कलाकारों को एक मतलब का और क्रिएटिव प्लेटफॉर्म देने और समाज को उनके टैलेंट से गर्व से मिलवाने के मकसद को ध्यान में रखते हुए, डिपार्टमेंट ऑफ़ कल्चरल अफेयर्स, डायरेक्टरेट ऑफ़ कल्चरल अफेयर्स, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई ने 3 दिसंबर को वर्ल्ड डिसेबल्ड डे के मौके पर मास्टर दीनानाथ मंगेशकर थिएटर, विले पार्ले में टैलेंटेड डिसेबल्ड कलाकारों के फिल्मी गानों का एक म्यूज़िकल प्रोग्राम 'स्वर-पंख' ऑर्गनाइज़ किया।

'स्वर-पंख' टाइटल वाले और 'वो सुर जो उड़न दाते हैं, अपने पंख खुद बनकर' टैगलाइन वाले इस प्रोग्राम को टैलेंटेड (देखने और चलने-फिरने में दिक्कत वाले) डिसेबल्ड कलाकारों ने म्यूज़िक अरेंजर, सभी सिंगर्स, इंस्ट्रूमेंटलिस्ट के तौर पर पेश किया। इसमें संगीतकार बिपिन वर्तक, गायक बिपिन वर्तक, विनोद गावड़े, आफताब ठाकुर, मकरंद भोसले, सारिका शिंदे, श्रद्धा, गौरी के साथ-साथ प्रमुख संगीतकार संतोष मोहिते, नागेश कांबले ने भाग लिया।

सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि थे। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि स्वरपंख एक अनूठा कार्यक्रम है जिसमें बहुत प्रभावशाली दिव्यांग कलाकारों ने भाग लिया है। ईश्वर ने दिव्यांग भाई-बहनों को विशेष शक्ति दी है और यह विभिन्न रूपों में सामने आती है। आज हम संगीत और गीतों के माध्यम से उसी शक्ति को देखते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग कलाकार और आम लोग एक हैं और उन्हें एक ही गति से चलना चाहिए, और कला इसका एक माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सांस्कृतिक मामलों के विभाग के माध्यम से पूरे राज्य में 1200 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम का समन्वय अतुल साटम, कनक क्रिएशन द्वारा किया गया था यह प्रोग्राम आशीष शेलार का है और इसे डिपार्टमेंट ऑफ़ कल्चरल अफेयर्स की सेक्रेटरी डॉ. किरण कुलकर्णी ने गाइड किया।

# 50 मराठी फिल्मों को 14 करोड़ 62 लाख रुपये की फाइनेंशियल मदद मिलेगी-कल्चरल अफेयर्स मिनिस्टर एडवोकेट आशीष शेलार

## फिल्म राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज का पोस्टर दिखाया गया

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

हम 50 ऐसी मराठी फिल्मों को 14 करोड़ 62 लाख रुपये की फाइनेंशियल मदद दे रहे हैं जो अपने सोशल कंटेंट, आर्टिस्टिक क्वालिटी और एक्सपेरिमेंट की वजह से अलग पहचान बना रही हैं। हम उन्हें सम्मानित कर रहे हैं। यह सिर्फ फाइनेंशियल मदद नहीं है, बल्कि सरकार ने हमेशा उन मराठी फिल्मों को बढ़ावा दिया है जो सोशल कंटेंट के साथ नई टेक्नीक का इस्तेमाल करती हैं और दर्शकों को जागरूक करती हैं, ऐसा कल्चरल अफेयर्स मिनिस्टर एडवोकेट आशीष शेलार ने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म सिटी का फाइनल प्लान मंजूर हो गया है।

कल्चरल अफेयर्स डिपार्टमेंट के महाराष्ट्र फिल्म, थिएटर और कल्चरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित क्वालिटी फिल्मों के लिए फाइनेंशियल मदद स्कीम का चेक बांटने का समारोह, गणेशोत्सव रील्स कॉम्पिटिशन अवॉर्ड बांटने का समारोह और फिल्म राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज का पोस्टर रवींद्र नाट्य मंदिर में दिखाया गया। इस मौके पर कल्चरल अफेयर्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्टर एडवोकेट आशीष शेलार बोल रहे थे।

इस मौके पर कल्चरल अफेयर्स डिपार्टमेंट की सेक्रेटरी डॉ. किरण कुलकर्णी, महाराष्ट्र फिल्म, थिएटर और कल्चरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की मैनेजिंग डायरेक्टर स्वाति म्हसे पाटिल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत सजनीकर, फिल्म इंडस्ट्री के आर्टिस्ट और डायरेक्टर समेत अवॉर्ड विनर मौजूद थे।

मिनिस्टर एडवोकेट आशीष शेलार ने कहा कि फिल्म सिर्फ एंटरटेनमेंट देने वाला एक्सपेरिमेंट नहीं है; यह एक पावरफुल मीडियम है जो सीधे समाज के मन से जुड़ता है और विचारों को जिंदा रखता है। मराठी और इंडियन फिल्मों ने पिछले दशकों में महिला बराबरी, जाति बराबरी, एनवायरनमेंट, गांव की ज़िंदगी, नए इंडस्ट्री जैसे कई मुद्दों पर अवेयरनेस पैदा की है। फिल्म सिटी के फाइनल प्लान को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म सिटी की तरह ही महाराष्ट्र में ही मुंबई में एक मॉडर्न ऑडियो-विजुअल गेमिंग सेंटर बनाया जाएगा।

मिनिस्टर एडवोकेट आशीष शेलार ने कहा कि आज 50 फिल्मों में 4 फिल्में ऐसी हैं जिन्हें नेशनल अवॉर्ड मिले हैं, 3 फिल्में ऐसी हैं जिन्हें स्टेट अवॉर्ड मिले हैं, 10 फिल्में ऐसी हैं जिन्हें 'A' ग्रेड मिला है, 23 फिल्में ऐसी हैं जिन्हें 'B' ग्रेड मिला है और 10 फिल्में ऐसी हैं जिन्हें 'C' ग्रेड मिला है। आज हम इन सभी फिल्मों को कुल मिलाकर लगभग 14 करोड़ 62 लाख रुपये की फाइनेंशियल मदद बांट रहे हैं। मैं इस स्कीम के लिए इवैल्यूएशन प्रोसेस को ट्रांसपेरेंट तरीके से करने के लिए इवैल्यूएशन कमिटी को भी दिल से धन्यवाद देता हूं। ग्लोबल ऑडियो-विजुअल समिट WAVES 2025 के ज़रिए महाराष्ट्र ने 'क्रिएटिव इकोनॉमी हब' बनने का अपना पक्का इरादा जताया है।

मंत्री श्री शेलार ने कहा कि महाराष्ट्र में संतों, महापुरुषों, क्रांतिकारियों, समाज सुधारकों, विचारकों, कलाकारों और खिलाड़ियों की एक समृद्ध विरासत है। ऐसे महान लोगों के जीवन के काम की पहचान अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है; इसीलिए सरकार अलग-अलग फील्ड की महान हस्तियों के जीवन पर आधारित बायोग्राफिकल फिल्में बनाने की योजना लागू कर रही है। इसी प्लान के तहत राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज के जीवन पर आधारित एक फिल्म बनाई जा रही है और आज इस फिल्म का पोस्टर यहां लॉन्च किया जा रहा है, जो बहुत खुशी की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि यह फिल्म निश्चित रूप से नई पीढ़ी को उनके काम के बारे में जानने में एक गाइड होगी।

इस मौके पर कल्चरल अफेयर्स डिपार्टमेंट की सेक्रेटरी डॉ. किरण कुलकर्णी ने डिपार्टमेंट की स्कीम्स और इनोवेटिव इनिशिएटिव्स के बारे में जानकारी दी। महाराष्ट्र फिल्म, थिएटर और कल्चरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की मैनेजिंग डायरेक्टर स्वाति म्हसे पाटिल ने इंट्रोडक्शन दिया।

इस मौके पर, अच्छी फिल्मों के लिए फाइनेंशियल मदद स्कीम का चेक बांटने का सेरेमनी हुआ। गणेशोत्सव रील्स कॉम्पिटिशन के विजेताओं को प्राइज बांटे गए।

# मोबाइल टॉर्च से डीएक्टिवेट किए नाइट विज़न कैमरे, 14 लाख के गहने ले उड़े चोर

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नागपुर के जवाहर नगर इलाके में चोरों ने बेहद चालाकी से चोरी की घटना को अंजाम दिया. हुडकेश्वर नगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले इस इलाके में तुषार पिदडी के घर से करीब 14 लाख रुपये के गहने और कीमती सामान चोरी हो गया.

मोबाइल की टॉर्च से डीएक्टिवेट किए कैमरे

तुषार पिदडी ने अपने घर में अत्याधुनिक मोशन डिटेक्शन वाले नाइट विजन कलर सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, जो स्वचालित लाइट से जुड़े थे. लेकिन चोरों ने अपने मोबाइल की टॉर्च का इस्तेमाल करके कैमरे को डीएक्टिवेट कर दिया. इसके कारण कैमरा ब्लैक एंड व्हाइट मोड में चला गया और चोरों का चेहरा रिकॉर्ड नहीं हो पाया. इसके बाद चोर बेखौफ होकर चोरी किए गए सामान को बैग में रखकर बाइक से फरार हो गए.

चोरों ने ढूंढा कैमरों से बचने का जुगाड़!

इस घटना से यह चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई कि चोर अब अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों को भी तकनीकी तरीकों से बेकार कर चोरी कर रहे हैं. इसी इलाके में मेडिकल स्टोर चलाने वाले संजय कोल्हे की दुकान से भी चोरों ने चोरी की. चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर ठंड के मौसम के अनुसार महंगे बॉडी लोशन और निविया कोल्ड क्रीम चुरा लिए.

नागपुर में दिन-ब-दिन चोरी की घटनाओं में वृद्धि हो रही है. कुछ इलाकों में तो दिनदहाड़े भी घरों में सेंधमारी की घटनाएं सामने आई हैं. इससे नागरिकों में दहशत का माहौल है.

पुलिस की जांच जारी

इस मामले में पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि चोरी के दौरान चोरों ने नई तकनीक का इस्तेमाल किया, जिससे यह साफ हो गया है कि अब चोरी की घटनाओं में तकनीकी हथकंडे भी शामिल हो रहे हैं.

# नर्सिंग स्टूडेंट्स के लिए जर्मनी में ट्रेनिंग और करियर का सुनहरा मौका-मेडिकल एजुकेशन राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

## महाराष्ट्र और बाडेन-वुर्टेमबर्ग राज्यों के बीच जॉइंट एग्रीमेंट

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

नर्सिंग के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए महाराष्ट्र और जर्मनी के बाडेन-वुर्टेमबर्ग राज्य के बीच एक महत्वपूर्ण जॉइंट एग्रीमेंट पर साइन किए गए हैं, जिससे महाराष्ट्र के नर्सिंग स्टूडेंट्स को जर्मनी में ट्रेनिंग लेने और करियर बनाने का सुनहरा मौका मिला है, मेडिकल एजुकेशन राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा।

मेडिकल एजुकेशन राज्य मंत्री माधुरी मिसाल और बाडेन-वुर्टेमबर्ग राज्य मंत्री मैनफ्रेड लुखा ने मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस में एक जॉइंट घोषणा पर साइन किए। इस मौके पर मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी धीरज कुमार, मेडिकल एजुकेशन कमिश्नर डॉ. अनिल भंडारी, मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च डायरेक्टरेट के डायरेक्टर डॉ. अजय चंदनवाले, मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट की जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. सुवर्णा खरात, अर्चना बाडे, धीरेंद्र रामटेके, साथ ही बाडेन-वुर्टेमबर्ग राज्य के सोशल अफेयर्स, हेल्थ और इंटीग्रेशन मिनिस्ट्री का एक हाई-लेवल डेलीगेशन और मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के सीनियर अधिकारी मौजूद थे।

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि इस एग्रीमेंट के तहत लैंग्वेज ट्रेनिंग, एडवांस्ड स्किल डेवलपमेंट, सर्टिफिकेट रिकग्निशन के प्रोसेस को आसान बनाने के साथ-साथ जर्मनी में नौकरी करने वाली नर्सों के सम्मान और सुरक्षा के लिए खास एक्टिविटीज़ लागू की जाएंगी। इस एग्रीमेंट का फोकस हाई-क्वालिटी हेल्थकेयर के लिए ट्रेंड नर्सिंग मैनपावर बनाना होगा। इसका मकसद दोनों राज्यों के नर्सिंग एजुकेशन इंस्टीट्यूशन, यूनिवर्सिटी और ट्रेनिंग सेंटर के बीच स्टूडेंट-फैकल्टी एक्सचेंज, जॉइंट ट्रेनिंग, स्टडी टूर और रिसर्च एक्टिविटीज़ को लागू करके एजुकेशन की क्वालिटी को इंटरनेशनल लेवल पर ले जाना है।

मंत्री मैनफ्रेड लुखा ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच नर्सिंग और हेल्थकेयर के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक प्लान तैयार किया जा रहा है। स्किल-बेस्ड हेल्थकेयर को बढ़ाने, रिसर्च को बढ़ावा देने और विदेश में नौकरी के मौके देने पर खास ज़ोर दिया जाएगा। इस सहयोग से विदेश में युवाओं को नौकरी के मौके मिलेंगे और हेल्थ सेक्टर की वर्कफोर्स ज़्यादा ट्रेंड और काबिल बनेगी। बैडेन-वुर्टेमबर्ग राज्य का एक डेलीगेशन 30 नवंबर से 6 दिसंबर, 2025 तक महाराष्ट्र राज्य के दौरे पर आया था। इस दौरे का मुख्य मकसद नर्सिंग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना, ट्रेनिंग के मौके देना और स्किल डेवलपमेंट के नए रास्ते बनाना था। इस पहल से महाराष्ट्र और बैडेन-वुर्टेमबर्ग राज्यों के बीच हेल्थकेयर और नर्सिंग के क्षेत्र में इंटरनेशनल पार्टनरशिप और मज़बूत होगी।

# मुंबई में फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा, अमेरिकी नागरिकों को नकली दवाइयां बेचते थे आरोपी

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई क्राइम ब्रांच यूनिट 9 ने अंबोली इलाके में चल रहे एक फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर पर कार्रवाई करते हुए बड़ा खुलासा किया है. यह कॉल सेंटर खुद को अमेरिकी फ़ार्मा कंपनियों का प्रतिनिधि बताकर अमेरिकी नागरिकों को नकली Viagra और अन्य नियंत्रित दवाइयां बेचकर ठगी कर रहा था. पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी मुजफ्फर शेख सहित दो अन्य अब भी फरार हैं.

**गिरफ्तार आरोपियों के नाम और कोर्ट की कार्रवाई**

गिरफ्तार आरोपियों के नाम मोहम्मद आमिर इक़बाल शेख, महिर इक़बाल पटेल, मोहम्मद शबीब मोहम्मद खलील शेख, मोहम्मद अयाज़ परवेज़ शेख, आदम एहसानुल्लाह शेख, आर्यन मुशफ़िक़ुर कुरैशी, अमान अज़ीज़ अहमद शेख और हशमत जमील जरीवाला हैं. वहीं मुख्य आरोपी मुजफ्फर शेख, अमीर मनियार और अन्य साथी फरार हैं जिनकी तलाश जारी है. सभी 8 आरोपियों को आज एस्प्लनेड कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उन्हें 10 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है.

**पुलिस की छापेमारी और डिजिटल उपकरण जब्त**

सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने कई लैपटॉप, हेडफ़ोन, पेन ड्राइव, हार्ड ड्राइव और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं. शुरुआती जांच में पता चला कि यह कॉल सेंटर पिछले छह से सात महीनों से सक्रिय था और अमेरिकी नागरिकों के निजी डेटा का अवैध रूप से इस्तेमाल कर रहा था. पुलिस जब्त किए गए डिजिटल उपकरणों की फोरेंसिक जांच कर यह पता लगाने में जुटी है कि अब तक कितने लोगों को ठगा गया और धोखाधड़ी की कुल राशि कितनी है.

# नासिक में फिर दरिंदगी! 13 साल की विकलांग लड़की से दुष्कर्म, 55 साल का शख्स अरेस्ट

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव शहर में एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां 13 साल की मानसिक रूप से विकलांग लड़?की के साथ 55 साल के व्यक्ति ने अत्याचार किया. घटना के सामने आते ही पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया.

कैसे हुआ वारदात का खुलासा?

जानकारी के अनुसार, दीपक धनराज छाजेड नाम का आरोपी लड़की को बहला-फुसलाकर अपनी स्कूटी पर बैठा कर सुनसान इलाके में ले गया. वहां उसने नाबालिग के साथ शर्मनाक हरकत की. परिवार वालों को इसकी जानकारी मिलते ही लड़की को तुरंत पुलिस स्टेशन ले जाया गया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो कानून और अत्याचार के गंभीर मामले दर्ज किए हैं.

बढ़ती घटनाओं पर जनता में फैला गुस्सा

यह पहली घटना नहीं है जिसने मालेगांव को झकझोर दिया हो. पिछले कुछ महीनों में नाबालिग बच्चियों के खिलाफ अत्याचार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर शहर में हो क्या रहा है. 16 नवंबर को डोंगराले गांव में साढ़े तीन साल की एक मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी की गई और उसकी हत्या कर दी गई. इस घटना ने पूरे महाराष्ट्र को हिला दिया था. पुलिस ने आरोपित विजय खैरनार को तुरंत गिरफ्तार कर लिया था, जो इस समय न्यायिक हिरासत में है.

उस घटना के बाद भी मालेगांव तालुका और आसपास के क्षेत्रों में पांच और मामलों ने लोगों की नींद उड़ा दी है. लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने माता-पिता में डर का माहौल पैदा कर दिया है.

लड़की की मां के घर काम करता था आरोपी

सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि 13 साल की मानसिक रूप से विकलांग लड़की जिस घर में जाती थी, उसकी मां वहीं काम करती थी. शक है कि आरोपी ने इसी स्थिति का फायदा उठाया और लड़की को अकेले में सुनसान जगह पर ले जाकर अत्याचार किया. पुलिस मामले में और भी जानकारी जुटा रही है.

मालेगांव में लगातार बढ़ती ऐसी घटनाओं ने प्रशासन और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. लोग सुरक्षा बढ़ाने, आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने और बच्चियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग कर रहे हैं. शहर में दहशत का माहौल है और लोग चिंतित हैं कि कब तक ऐसी घटनाएं होती रहेंगी.

## सम्पादकीय

### दिल्ली से कोलकाता जाने का किराया 38 हजार रुपये, विमान सेवाओं की गुणवत्ता में अप्रत्याशित रूप से आई गिरावट

विमान यात्रा को सबसे सुव्यवस्थित सेवा के तौर पर जाना जाता है, जहां समय का पूरा ध्यान रखने के साथ-साथ लोगों को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाना एक सामान्य बात रही है। सभी विमान कंपनियां बेहतरीन सेवा देने के दावे के साथ लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। मगर पिछले कुछ समय से हवाई जहाज से कहीं आने-जाने की राह में कई स्तरों पर जिस तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उससे पता चलता है कि विमान सेवाओं की गुणवत्ता में अप्रत्याशित रूप से तेज गिरावट आई है। इसका खमियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि देश की सबसे बड़ी विमान सेवा मानी जाने वाली इंडिगो एअरलाइंस में परिचालन से संबंधित अड़चन गुरुवार को भी जारी रही और इसकी तीन सौ से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया। जो विमान अपने गंतव्य के लिए उड़ान भर सके, उनमें भी निर्धारित समय से देरी हुई। पिछले महीने इंडिगो की बारह सौ से ज्यादा उड़ानों के रद्द होने की खबर आई थी।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि इतनी ज्यादा उड़ानें रद्द होने की वजह से हजारों यात्रियों के सामने किस तरह की परेशानी पैदा हुई होगी। कायदे से होना यह चाहिए था कि इतने बड़े पैमाने पर अगर किसी भी वजह से समस्या आ रही है, तो यात्रियों को समय रहते इसकी सूचना दी जाए। अगर लोगों को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाने की कोई भी सूरत निकल सके, तो इसे सुनिश्चित करना विमान कंपनी की जिम्मेदारी है। मगर ऐसा लगता है कि जिन लोगों ने इंडिगो से कहीं जाने का टिकट लिया, उनकी न केवल उड़ानें रद्द हुईं, बल्कि उनके लिए किसी तरह का वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया।

इस अड़चन के बाद कंपनी ने छोटी-मोटी तकनीकी गड़बड़ी, उड़ान समय में बदलाव, खराब मौसम, बढ़ती भीड़ और उड़ान ड्यूटी समय सीमा से संबंधित नए नियमों के लागू होने जैसे कारण बताए। मगर जितनी बड़ी तादाद में उड़ान रद्द या उनमें देरी हुई, क्या यह प्रबंधन और व्यवस्था में लापरवाही से लेकर सेवा में कमी का नतीजा नहीं है? यह छिपा नहीं है कि विमान का मनमाना किराया या अलग-अलग तरीके से ज्यादा पैसे वसूलने में कंपनियां कोई संकोच नहीं करती हैं। इंडिगो की उड़ानों में देरी और रद्दीकरण के कारण कई प्रमुख मार्गों पर किराए चार गुना से ज्यादा बढ़ा दिए गए। सवाल है कि अव्यवस्था के नतीजे में अगर किसी को दिल्ली से कोलकाता जाने के लिए अड़तीस हजार रुपए चुकाने पड़े, तो इसके लिए कौन जवाबदेह है?

आज बहुत सारे यात्री आमतौर पर कोई बेहद जरूरी काम और जल्दी पहुंचने के लिए हवाई यात्रा का विकल्प चुनते हैं। हाल के वर्षों में जैसे-जैसे विमान से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होनी शुरू हुई, तो एअरलाइंस कंपनियों ने ज्यादा सुविधाएं और सुरक्षित यात्रा का भरोसा देकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। मगर आज हालत यह है कि यात्री पहले टिकट लेकर हवाई अड्डा पहुंचते हैं और उसके बाद वहां उन्हें उड़ान रद्द होने या काफी देरी से जाने की सूचना दी जाती है।

ऐसी अनेक घटनाएं सामने आईं, जिसमें उड़ान के बाद तकनीकी गड़बड़ी की वजह से किसी विमान को आपात स्थिति में उतारना पड़ा। अनिश्चित उड़ान और सुरक्षा से जुड़ी आशंकाओं के बीच आम यात्रियों को लेकर विमान कंपनी और सरकार की क्या जिम्मेदारी है? अगर किसी कारण से उड़ान में अड़चन पैदा हो रही है, तो उसे दूर करने का दायित्व किसका है?

# भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के पीछे जीएसटी सुधार, दिवाली पर बाजार में दिखी थी अच्छी खरीदारी

भारत की घरेलू खपत विकास दर को आगे बढ़ाते हुए देश की आर्थिक ताकत बन गई है। हाल ही में सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 फीसद बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 फीसद थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। यह संभावना दिखाई दे रही है कि इस वित्तीय वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर अनुमान से अधिक 7.5 फीसद के स्तर पर दिखाई देगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की 8.2 फीसद की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है।

इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रपटों में कहा जा रहा है कि भारत में महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती से उपभोग और घरेलू खपत में जोरदार इजाफा होने से विकास दर बढ़ी है। जहां भारत की अर्थव्यवस्था अमेरिकी शुल्क का प्रतिकूल असर झेल गई, वहीं निर्यात, पूंजीगत निवेश और निवेश रुझान पर प्रतिकूल असर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ी है। साथ ही यह वैश्विक अनिश्चितताओं से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है।

गौरतलब है कि इस बार दिवाली पर बाजार में बिक्री रेकार्ड

ऊंचाई पर रही है। ई-वाणिज्य ने दमदार उछाल दर्ज की है। महंगाई के साथ-साथ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण जीएसटी बचत उत्सव का परिदृश्य दिखाई दिया है। जब दुनिया के अधिकांश देशों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, वहीं भारत में महंगाई में कमी के आंकड़े सामने आए। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रपट में कहा गया है कि जहां अक्तूबर 2025 में खुदरा महंगाई घट कर पिछले दस वर्ष के न्यूनतम स्तर 0.25 फीसद पर आ गई, वहीं थोक महंगाई 27 महीने के निचले स्तर शून्य से 1.21 फीसद नीचे रही है। महंगाई में यह कमी प्रमुख रूप से सब्जियां, फल, अंडे, अनाज एवं उससे बने उत्पाद, बिजली, परिवहन और संचार आदि मदों की महंगाई में गिरावट के कारण आई है।

महंगाई कम होने के पीछे इस वर्ष 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार की भी अहम भूमिका है। जीएसटी दरों में की गई कमी से खाने-पीने की सभी वस्तुएं सस्ती हुई हैं। क्रिसिल की एक रपट के अनुसार अक्तूबर 2025 में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 17 फीसद सस्ती होकर 27.8 रुपए और मांसाहारी थाली 12 फीसद सस्ती होकर 54.4 रुपए के मूल्य स्तर पर पाई गई। यह बात भी अहम है कि इस समय विभिन्न शोध रपटों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रेकार्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलता से आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन खुदरा महंगाई दर 2.5 फीसद रह सकती है, जो पिछले वर्ष के 4.6 फीसद के मुकाबले काफी कम होगी। हालांकि जमीनी स्तर पर महंगाई में कमी को लेकर हकीकत अलग देखने में आती है, लेकिन औपचारिक रूप से सार्वजनिक किए गए आंकड़े ही आकलन का आधार बनते हैं।

यह बात अहम है कि महंगाई दर घटने के साथ-साथ जीएसटी सुधारों के लागू होने से इस बार दिवाली पर बाजार में अच्छी खरीदारी दिखाई दी। जीएसटी में सरलता और कर ढांचों में बदलाव ने बाजार को नई उर्जा दी। जीएसटी दरों के साथ-साथ आयकर में कटौती से लोगों को लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। फेडरेशन आफ इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक जहां वर्ष 2023 में त्योहारी बाजार में 3.75 लाख करोड़ रुपए और वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए की खरीदारी हुई थी, वहीं इस बार त्योहारी सीजन के तहत खरीदारी पांच लाख करोड़ रुपए के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। इस बार दिवाली पर देश में लोगों की क्रय शक्ति बढ़ने और अमेरिका में डालर का मूल्य घटने से इस साल त्योहारी सीजन में चांदी और सोने के भाव भी सर्वकालिक उच्च स्तर पर रहे। वहीं इस समय औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है और विनिर्माण क्षेत्र से लेकर सेवा क्षेत्र तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई दे रहा है। मांग और उत्पादन बढ़ने से रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हो रही है।

भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के पीछे जीएसटी सुधार के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढ़ने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है। इस नीति से अमेरिकी शुल्क के बीच पिछले अगस्त से अक्तूबर में अमेरिका को छोड़ कर अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। इसी के साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय निर्यात के लिए मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे है। इतना ही नहीं नए श्रम कानून भी देश के आर्थिक विकास में नई प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

हाल ही में 'एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स' ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 फीसद और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 फीसद की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। 'एसएंडपी' ने कहा है कि जीएसटी की कम दरें मध्य वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी नई रपट में कहा है कि हालांकि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है। इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसद विकास दर हासिल करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है।

जीएसटी के बाद अब ऊंची आर्थिक विकास दर के मद्देनजर अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए आगे बढ़ने की जरूरत है। इन सुधारों में जीवन में आसानी, कारोबार सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार, प्रशासन को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने संबंधी सुधार शामिल हैं। साथ ही देश को कृषि, बैंकिंग, बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि में सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा। ऐसे में बढ़ती हुई घरेलू खपत और नई पीढ़ी के सुधार देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाते हुए दिखाई देंगे।

# विवाद की स्थिति में धैर्य और मौन को बनाएं अपनी ढाल शांत रहकर परिस्थिति को समझना जीवन की सबसे बड़ी कला

जीवन को सरल और सुखद बनाने के लिए यह आवश्यक है कि हम विवादित परिस्थितियों से यथासंभव दूर रहें। हर मनुष्य चाहता है कि उसका जीवन संतुलित, शांत और प्रसन्न रहे, पर अक्सर हम अनजाने में ऐसी स्थितियों में उलझ जाते हैं, जहां विवाद जन्म लेते हैं। विवाद सदैव मन की शांति को भंग करता है, व्यक्ति के भीतर नकारात्मक ऊर्जा भर देता है और उसकी सोच को अस्थिर बना देता है। विवाद से दूरी कमजोरी नहीं, बल्कि आत्म-संयम और परिपक्वता का प्रतीक है। यह उस व्यक्ति की पहचान है, जो परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने विचारों से संचालित होता है। जो व्यक्ति शांति को चुनता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन को सरल, सुंदर और सार्थक बना लेता है। जब हम किसी बहस या टकराव में उलझते हैं, तो उस क्षण हमारा विवेक और संतुलन दोनों प्रभावित होते हैं।

हम सही या गलत का मूल्यांकन करने के बजाय केवल अपनी बात सिद्ध करने में लग जाते हैं। धीरे-धीरे अहंकार हमारे भीतर घर कर लेता है और हम दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की क्षमता खो बैठते हैं। नतीजतन, भलाई की भावना धुंधली पड़ जाती है और केवल दोष, आलोचना और कटुता ही दिखाई देने लगती है। उदाहरण के लिए, किसी कार्यस्थल पर दो सहकर्मियों के बीच किसी काम को लेकर मतभेद होता है। एक व्यक्ति गुस्से में बहस करता है, आरोप लगाता है और माहौल को तनावपूर्ण बना देता है। वहीं दूसरा व्यक्ति शांत रहकर परिस्थिति को समझने की कोशिश करता है, बिना अपमान या क्रोध के अपनी बात रखता है। परिणामस्वरूप, विवाद समाप्त हो जाता है और उसका व्यवहार पूरे दल के लिए प्रेरणा बन जाता है। यही व्यक्ति नेतृत्व और समझदारी का सच्चा उदाहरण कहलाता है।

समझदारी इसी में है कि जहां भी विवाद की संभावना दिखे, वहां धैर्य और मौन को अपनी ढाल बना लिया जाए। शांत रहकर परिस्थिति को समझना और सही समय पर निर्णय लेना जीवन की सबसे बड़ी कला है। यह न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखता है बल्कि हमारे संबंधों में भी मिठास बनाए रखता है। याद रखने की जरूरत है कि हर बहस जीतना जरूरी नहीं, हर रिश्ता बचाना जरूरी है। हम अक्सर व्यर्थ की चर्चा में शामिल हो जाते हैं, जबकि उसमें हमारी कोई वास्तविक आवश्यकता या भूमिका नहीं होती। कई बार हम केवल अपनी राय साबित करने की जल्दी में यह भूल जाते हैं कि हर बातचीत में भाग लेना आवश्यक नहीं होता। जब किसी विषय पर हमसे विचार मांगे जाएं, तभी सहभागिता निभाना बुद्धिमानी है। विचार तभी प्रभावशाली और सार्थक होते हैं, जब वे समय और परिस्थिति के अनुसार प्रकट किए जाएं। कहावत है- 'मौन भी एक भाषा है, जिसे केवल समझदार ही पढ़ सकते हैं।'

अधिक बोलने से अक्सर अर्थ का अनर्थ हो जाता है। शब्दों का गलत चयन न केवल दूसरों को आहत करता है, बल्कि कभी-कभी हमारे अपने सम्मान और छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगा देता है। इसलिए मौन को कमजोरी नहीं, बल्कि विवेक का प्रतीक मानने की जरूरत है। मौन में चिंतन की गहराई होती है और उसी गहराई से निकले शब्द प्रभावशाली और सकारात्मक होते हैं। उदाहरण के तौर पर, किसी पारिवारिक समारोह में अगर कोई व्यक्ति हमें गलत समझ ले या अपमानित कर दे, तो तत्काल प्रतिक्रिया देना स्थिति को और बिगाड़ देता है। वहीं अगर हम मौन रहकर समय को उत्तर देने दें, तो वही लोग बाद में हमारी शालीनता के कायल हो जाते हैं। यही मौन की शक्ति है, जो बिना शब्दों के भी गहरी छाप छोड़ती है।

यह समझना चाहिए कि विवेकपूर्ण भागीदारी ही सच्ची सामाजिक चेतना का प्रतीक है। हर व्यक्ति को यह सोचने की आवश्यकता है कि उसकी राय, ऊर्जा, उसका समय किस दिशा में खर्च हो रहे हैं। अगर हम अपनी सहभागिता को केवल रचनात्मक और उपयोगी विषयों तक सीमित रखें, तो समाज में सकारात्मकता और विकास दोनों का प्रवाह तेज होगा। जब किसी शहर में सफाई या पौधरोपण अभियान चलाया जाता है, तब कुछ लोग आगे बढ़कर योगदान देते हैं, जबकि कुछ केवल आलोचना करते हैं। समाज को बदलने वाले वे लोग हैं जो काम करते हैं, न कि वे जो केवल बोलते हैं। यही फर्क शोर और समाधान के बीच की रेखा को परिभाषित करता है। विचारधारा अगर निर्मल, सकारात्मक और संवेदनशील हो, तो जीवन अपने आप सुंदर बन जाता है। भाषा में मधुरता और विनम्रता हो, तो शब्द ही मरहम बन जाते हैं। जब हमारे भाव दूसरों के दिल को छू लेने वाले हों, तो वही क्षण जीवन का सच्चा आनंद देते हैं।

जीवन की खूबसूरती इस बात में नहीं कि हमारे पास कितना कुछ है, बल्कि इस बात में है कि हम उसे किस दृष्टि से देखते हैं। जब हम अपने विचारों को करुणा, समझदारी और शांति के रंगों से सजाते हैं, तो हर परिस्थिति सरल लगने लगती है। जैसे सूरज की किरणें अंधकार को मिटा देती हैं, वैसे ही सकारात्मक सोच हर नकारात्मक परिस्थिति को प्रकाशमय बना देती है। भाषा में कोमलता हो, तो वह रिश्तों में सेतु का काम करती है। कठोर शब्द पल भर में दिल तोड़ देते हैं, जबकि मधुर वाणी टूटे हुए दिलों को भी जोड़ सकती है। समझदारी इसी में है कि हम उन मुद्दों पर आवाज उठाएं, जहां हमारी सोच किसी के जीवन में बदलाव ला सके। दुनिया को आदर्श तभी बनना चाहिए जब वह प्रेरणा दे, न कि भ्रम फैलाए। आखिर वही समाज महान बनता है जो शोर नहीं, समाधान पैदा करता है और वही व्यक्ति सम्मानित होता है जो विचारों से निर्माण करता है। मौन में शक्ति है, संयम में सौंदर्य है और विचारशीलता में सच्ची परिपक्वता है। जो इनको साध लेता है, वही जीवन की सरलता, शांति और सफलता का सच्चा आनंद पाता है।

# एसआईआर का विरोध : चिन्ता लोकतंत्र की या वोट बैंक की?

भारत का लोकतंत्र आज जिस निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, वहां उसकी विश्वसनीयता और मजबूती का सवाल पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गया है। चुनावों की पारदर्शिता, मतदाता सूची की शुचिता और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से मतदाता पहचान की सत्यता को बनाए रखना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को सुरक्षित रखने का मूल तत्व है। विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई वह अनिवार्य प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची में मौजूद संदिग्ध, दोहरे या अवैध प्रविष्टियों की पहचान और सत्यापन किया जा सके। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस कार्य को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक कदम माना जाना चाहिए, उसे कुछ विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के चश्मे से देख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में जिस प्रकार के उतावले, भावनात्मक और अक्सर तथ्यहीन तर्क प्रस्तुत किए गए, उससे यही प्रतीत होता है कि यह विरोध किसी तर्क या सिद्धांत का नहीं, बल्कि वोट-बैंक की चिंता का परिणाम है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर बेतुका राष्ट्र-विरोधही अड़ंगा लगाने वालों को आईना ही दिखाया कि बिहार में तो एक भी व्यक्ति यह शिकायत करने नहीं आया कि उसका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि बिहार में एसआईआर के समय कुछ खास लोगों के वोट काटे जाने का आरोप उछालने वाले भी ऐसे कथित पीड़ित लोगों के उदाहरण का साक्ष्य नहीं दे सके थे। हालांकि बिहार में एसआईआर पर विपक्षी दलों को मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वे बाज नहीं आ रहे हैं और अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर की प्रक्रिया को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खड़े हैं।

यह तब है, जब एसआईआर वाले राज्यों में करीब 65 प्रतिशत फार्म भरे जा चुके हैं। इसका मतलब है कि लोग इस प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं। एसआईआर होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि मतदाता सूचियों में भारी त्रुटियां एवं विसंगतियां है, बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम दर्ज हैं, जिनकी मृत्यु हो गई है या फिर जो अन्यत्र चले गए हैं। इसके अलावा ऐसे भी लोग हैं, जिनके पास दोहरे मतदाता पहचान पत्र हैं। चुनाव आयोग एसआईआर के जरिये इन्हीं विसंगतियों को दूर कर रहा है, लेकिन विपक्षी दलों को पता नहीं क्यों यह रास नहीं आ रहा है। वे मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की शिकायत भी कर रहे हैं और एसआईआर भी नहीं होने देना चाहते हैं। लोकतंत्र की जड़ों में सबसे बड़ा विष तब घुलता है जब मतदाता सूची अवैध हस्तक्षेपों, बाहरी घुसपैठियों और राजनीतिक संरक्षण के सहारे खड़ी प्रविष्टियों से दूषित होने लगती है। भारत लंबे समय से विदेशी घुसपैठ की समस्या से जूझ रहा है। राज्यों के बीच असंतुलित प्रवासन, सीमावर्ती क्षेत्रों में बेतरतीब आबादी का फैलाव, राजनीतिक शरण और संरक्षण के नाम पर अवैध बसेरों का निर्माण- ये सब ऐसी वास्तविकताएं हैं जिन्हें अनदेखा करना राष्ट्रहित से खिलवाड़ है।

एसआईआर की प्रक्रिया इसीलिए आरंभ की गई कि मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध, विश्वसनीय, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित बनाया जा सके। यह प्रक्रिया किसी समुदाय, क्षेत्र या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पहचान के सत्यापन पर आधारित है। यह समान रूप से हर उस मतदाता की जांच करती है जो कानूनन इस प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा इसे अधिकारों पर हमला, राजनीतिक भेदभाव या अविश्वास की राजनीति से जोड़ना केवल दुष्प्रचार एवं भोलेभाले लोगों को गुमराह करना है। यह सवाल इसलिए उठता है कि जब प्रक्रिया सबके लिए समान है, सभी क्षेत्रों पर लागू है और सुप्रीम कोर्ट के

निर्देशन में संचालित हो रही है, तो किस आधार पर इसे लोकतंत्र विरोधी कहा जा सकता है? वास्तव में विपक्ष इस प्रश्न का ठोस, तथ्यपूर्ण उत्तर देने में असफल रहा है। यह आशंका निराधार नहीं कि बंगाल जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए मतदाता बन बैठे हैं। उनके बांग्लादेश लौटने से इसकी पुष्टि भी होती है। यह ठीक है कि पहचान पत्र के रूप में आधार भी मान्य है, लेकिन उसे भी फर्जी तरीके से बनवाया गया हो सकता है। ऐसे में चुनाव आयोग को दस्तावेजों के सत्यापन का अधिकार मिलना ही चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत विपक्षी तर्कों का विश्लेषण करें, तो उनमें वास्तविक तथ्यों एवं आंकड़ों का अभाव है। भावनात्मक अपीलें, आशंकाओं का जानबूझकर सृजन, प्रशासनिक प्रक्रिया को अविश्वसनीय बताने का प्रयास, और तथ्यों से अधिक आरोपों का शोर-ये सब इस बात की ओर संकेत करते हैं कि उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन को बचाना है। यदि मतदाता सूची वास्तव में त्रुटिरहित है, यदि घुसपैठियों का प्रश्न बिना आधार का है, यदि किसी वर्ग की वैधता पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं, तो फिर सत्यापन से भय क्यों? सत्यापन तो वही व्यक्ति या समूह टालेगा, जो स्वयं को संदेह के घेरे में पाता हो। जो स्वच्छ, वैध और तथ्यपूर्ण हैं उन्हें कभी डर नहीं होता कि जांच उनके लिए समस्या बन जाएगी। इसलिए यह विरोध लोकतंत्र की चिंता नहीं बल्कि लोकतंत्र का उपयोग करके अपने हित साधने की कोशिश प्रतीत होता है। भारत की चुनाव प्रणाली में वर्षों से यह शिकायत उठती रही है कि मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टियां, मृत व्यक्तियों के नाम, काल्पनिक मतदाता और बाहरी लोगों की अवैध प्रविष्टियां बढ़ती जा रही हैं। इनमें से अधिकांश समस्याएं प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं, लेकिन एक बड़ा हिस्सा ऐसे राजनीतिक हितों का भी है जो ऐसी प्रविष्टियों को बनाए रखने में खुद को लाभान्वित देखते हैं।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत के अनेक राज्यों में स्थानीय राजनीतिक तंत्र विदेशी घुसपैठियों के लिए न केवल छत्रछाया प्रदान करता रहा है, बल्कि उन्हें वोट-आधारित पहचान और सुविधाओं तक पहुंच भी दिलाता रहा है। इन परिस्थितियों में एसआईआर जैसी प्रक्रिया न केवल उचित है, बल्कि अत्यंत आवश्यक है। यह प्रक्रिया जितनी देर से लागू होगी, लोकतंत्र पर उतना ही खतरा बढ़ेगा। एसआईआर के विरोध का एक और पक्ष भी है, और वह है विपक्ष का यह डर कि यदि मतदाता सूची शुद्ध कर दी गई, तो उनका चुनावी गणित प्रभावित होगा। यह राजनीति का वह पक्ष है जिसमें आदर्शवाद के लिए बहुत कम जगह है। राजनीतिक दल अक्सर यह मानकर चलते हैं कि जहां संख्या उनके पक्ष में है, वहां सुधार का कोई हस्तक्षेप उनकी स्थिति को कमजोर कर सकता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है, क्योंकि लोकतंत्र केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि नागरिक विश्वास और संवैधानिक मूल्यों का संरक्षक है।

एसआईआर का उद्देश्य किसी को मताधिकार से वंचित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मताधिकार का उपयोग वही करे जो इसके योग्य है, जो देश का वैध नागरिक है, और जिसका नाम सही तरीके से मतदाता सूची में दर्ज है। भारत का भविष्य उन सुधारों पर निर्भर करता है जो चुनावों को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाएं। जब तक मतदाता सूची शुद्ध नहीं होगी, तब तक चुनाव परिणामों पर संदेह रहेगा और लोकतंत्र की साख कमजोर होती जाएगी। एसआईआर इस दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जिसे किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव या भ्रम फैलाने वाले अभियानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में यह प्रक्रिया और अधिक निष्पक्ष और संरक्षित होती है, इसलिए विरोध के ये प्रयास और भी आधारहीन प्रतीत होते हैं।

लोकतंत्र की मरम्मत और मजबूती का यह अवसर खोना राष्ट्रहित के विरुद्ध होगा। जो दल इस प्रक्रिया को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, वे भले ही इसे जनता के हित का मुद्दा बताने का प्रयास करें, परंतु वस्तुतः वे अपने संकीर्ण हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत को ऐसी राजनीति की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जो सत्य को प्राथमिकता दे, सत्ता से अधिक संविधान को महत्व दे, और मतदाता सूची को राजनीतिक हथियार नहीं बल्कि लोकतंत्र की पवित्र सूची माने। एसआईआर की गति और दायरा इसलिए न केवल बनाए रखना चाहिए, बल्कि उसे और भी तेज, निर्णायक और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भारत का लोकतंत्र अवैध प्रभावों से मुक्त होकर एक मजबूत, पारदर्शी और विश्वसनीय भविष्य की ओर अग्रसर हो सके।

# स्कूल में टीचर और रसोइए का डर्टी वीडियो वायरल, शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप

लखनऊ **(एजेंसी)**। सरकारी स्कूल के एक शिक्षक का रसोइया के साथ आपत्तिजनक जनक वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो मध्य प्रदेश के मुरैना जिले का बताया जा रहा है। आपत्तिजनक वीडियो वायरल होते ही प्रशासन और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। वीडियो में विद्यालय के शिक्षक अशोक शर्मा को स्कूल की ही महिला रसोइया के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा गया, जिसके बाद तुरंत एक्शन लेते हुए शिक्षक को निलंबित कर दिया गया और रसोइया को भी सेवा से हटा दिया गया।

यह घटना उस समय की बताई जा रही है जब स्कूल का समय चल रहा था और बच्चे मैदान में खेल रहे थे। इसी दौरान स्कूल के एक कमरे का दरवाज़ा खुला था, जहां शिक्षक और रसोइया को अनुचित हालत में देखा गया। वीडियो में यह भी दिख रहा है कि कमरे के बाहर एक अन्य महिला दरवाज़े की निगरानी करती नजर आती है।

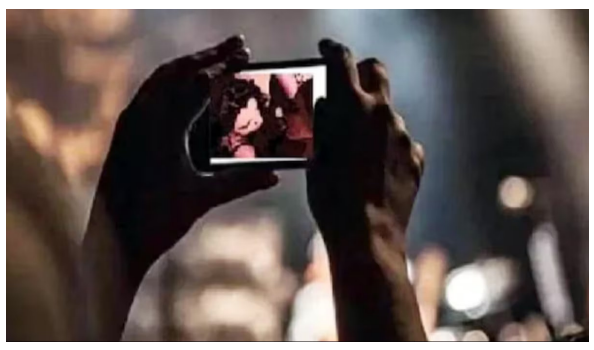

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैला, पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने कहा कि स्कूल बच्चों की पढ़ाई का स्थान है और ऐसी घटनाएँ शिक्षा वातावरण को दूषित करती हैं। लोगों ने इसे स्कूल अनुशासन और मर्यादा का गंभीर उल्लंघन करार दिया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत सीईओ कमलेश भार्गव ने तुरंत संज्ञान लिया और शिक्षक को निलंबित करने के साथ रसोइया को हटाने का आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि जिम्मेदार यह कृत्य बेहद अनुशासनहीन है, और जांच जारी है। आवश्यकता अनुसार आगे की कठोर कार्रवाई भी की जाएगी। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासनिक टीमें मामले की निगरानी में जुटी हैं और जांच पूरी होने के बाद अंतिम रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

# तमंचा दिखाकर दलित युवक को दबंगों ने जमकर पीटा कांग्रेस बोली - क्या यही है योगी जी की कानून-व्यवस्था?

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश झांसी जिले में मनगर थाना क्षेत्र के बल्लमपुर मोहल्ले में दलित युवक की सामूहिक पिटाई का मामला सामने आया है। बंद कमरे में दबंगों द्वारा की गई बर्बर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पीड़ित हर्ष वाल्मीकि, जो प्राइवेट नौकरी करता है, आरोपियों के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा, लेकिन दबंग लगातार उसे लात-घूसों, डंडे और चप्पल से पीटते रहे। इस घटना को लेकर कांग्रेस ने यूपी की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने अपने अधिकारिक एक्स पर पोस्ट कर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा कि क्या यही है योगी जी की कानून-व्यवस्था?

आगे कहा कि सरेआम दलित युवक पर तमंचा सटाया जा रहा है, नंगा होने को मजबूर किया जा रहा है और अपराधी खुद वीडियो बना रहे हैं। अपराधियों में कानून का डर जीरो है! सरकार सिर्फ कागज़ों पर सख्ती दिखाती है, ज़मीन पर दलित असुरक्षित हैं। दलितों को सिर्फ़ वोट बैंक समझा जाता है, इंसान नहीं। इस तरह की घटनाएँ बताती हैं कि सरकार का ध्यान बड़े विज्ञापनों पर है, लेकिन समाज के सबसे कमज़ोर वर्ग को सुरक्षा देने पर नहीं। दोषियों को जल्द से जल्द फास्ट ट्रैक कोर्ट में सज़ा मिलनी चाहिए, केवल गिरफ्तारी काफी नहीं है।

बताया जारहा है कि घटना 22 नवंबर की है। हर्ष राजगढ़ स्थित गोस्वामी रेस्टोरेंट के पास

खड़ा था, तभी निशांत सक्सेना, सुकृत और कनिष्क वहां पहुंचे और सिगरेट पीने के बहाने उसे स्कूटी पर बैठाकर निशांत के घर ले गए। वहां पहुंचते ही आरोपियों ने उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। वायरल वीडियो में एक आरोपी तमंचा लहराते हुए हर्ष पर नंगा होने का दबाव बनाता भी दिखाई दे रहा है।

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई। सीओ सदर रामवीर सिंह के अनुसार, पीड़ित की तहरीर के आधार पर प्रेमनगर थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुकृत, आनंद नायक और कनिष्क को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी निशांत सक्सेना फरार है। उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें दबिश दे रही हैं।

# प्रदेश में एक के बाद एक बीएलओ की जा रही जान, अब अलीगढ़ में हार्ट अटैक से मौत

## एसआईआर काम पूरा करने पर बीएसए ने की थी तारीफ; एबीएसए हैं मौत का बड़ा कारण!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अलीगढ़ जिले में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य के लिए बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) के रूप में तैनात प्राथमिक विद्यालय की 59 वर्षीय प्रधानाध्यापिका की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। उनके परिवार और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रधानाध्यापिका साधना वर्मा का बृहस्पतिवार को उनके घर में निधन हो गया। उन्हें चार नवंबर को शुरू हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के लिए तैनात किया गया था।

उनके परिवार ने बताया कि उन्होंने हेवतपुर फगोई गांव में बीएलओ संबंधी अपने सभी कर्तव्यों को ''बिना किसी समस्या के'' निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया था। उनके बेटे चेतन ने आरोप लगाया कि वर्मा ''लंबे समय से भारी दबाव'' में थीं। वह अपनी बीएलओ संबंधी जिम्मेदारियों के कारण नहीं बल्कि अन्य समस्याओं के कारण परेशान थी। वह सेवानिवृत्ति के करीब थी इसलिये उन्हें परेशान किया जा रहा था। उन्होंने दावा किया, ''उनकी समस्याएं बीएलओ के रूप में उनके काम से संबंधित नहीं थीं बल्कि मुख्य रूप से उनके उप-प्राचार्य और राज्य शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न के कारण थीं, जिन्होंने उन्हें बार-बार किसी न किसी बहाने से परेशान किया।'' चेतन ने दावा किया कि अधिकारियों के समक्ष बार-बार मामला उठाने के बावजूद उनकी मां को पांच महीने से वेतन नहीं मिला था, जिससे वह गंभीर तनाव में थीं। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) राकेश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल उप-प्राचार्य पूजा चौधरी को जांच जारी रहने तक निलंबित कर दिया गया है। चौधरी के खिलाफ अनुशासनहीनता और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं।

### सपा नेता के बेटे की शादी में हुआ विवाद

# 5 लोगों को कार से कुचला, तीन की मौत के बाद हुआ जमकर बवाल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कासगंज में एक सपा नेता के बेटे की शादी की सारी खुशियां मातम में बदल गई, क्योंकि उसकी शादी में तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों की मौत दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोगों के बीच हुए विवाद की वजह से हुई। दूल्हा और दुल्हन पक्ष के बीच हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। जिसके चलते दुल्हन के चचेरे भाई ने बारात में आए 5 लोगों के ऊपर कार चढ़ा दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, कासगंज के सपा नेता के बेटे की शादी गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र के जेडएस पैलेस गेस्ट हाउस में हो रही थी। शादी को लेकर दुल्हा और दुल्हन पक्ष के लोग काफी खुश थे। सभी खुशी-खुशी बारात में शामिल हुए और दुल्हन के गेट तक बारात लेकर पहुंचे। इस दौरान घराती और बाराती दोनों मिलकर डीजे पर डांस कर रहे थे। तभी डीजे को लेकर र दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोगों के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई।

दोनों पक्षों में हुई कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि दूल्हा पक्ष के लोगों ने मिलकर दुल्हन के चचेरे भाई को पीट दिया। जिसके बाद वो इतने गुस्से में आ गया कि उसने अपनी कार में बैठकर दूल्हे पक्ष के ताऊ, चाचा और मौसा समेत 5 लोगों को तेज रफ्तार कार से रौंद डाला। इस दौरान इन तीनों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, आरोपी मौका देखकर फरार हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लिया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

### बुरे फंसे आजम खान के बेटे अब्दुल्ला

# फिर 7 साल की मिली सजा और लगा 50 हजार का जुर्माना, अब इस केस में आया बड़ा फैसला

रामपुर **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को अदालत में दो अलग-अलग पासपोर्ट रखने के मामले में 7 साल की सजा सुनाई है। दरअसल यह मामला वर्ष 2019 में भाजपा नेता और वर्तमान नगर विधायक आकाश सक्सेना ने दर्ज कराया था। जिसमें अब्दुल्लाह आजम खान पर धोखाधड़ी करके दो अलग-अलग पासपोर्ट रखने का मामला धारा 420, 467, 468 और 471 के तहत दर्ज कराया था।

अब्दुल्ला आज़म इसमें आरोपी थे। जिन्हें आज रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने 7 साल की सजा 50 हजार का जुर्माना लगाया है। अदालत ने फैसला सुनाते हुए धारा 420 के अंतर्गत 3 वर्ष की सजा और ?10000 जुर्माना और जुर्माना न अदा करने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा, इसी तरह से धारा 467 में 7 वर्ष के कारावास की सजा तथा ?20000 जुर्माना और जुर्माना जमा ना करने पर 6 मांह की अतिरिक्त सजा, धारा 468 में 3 वर्ष की सजा और 10000 जुर्माना और जुर्माना जमा ना करने पर 3 माह की सजा तथा धारा 471 में 2 वर्ष की सजा और 10000 जुर्माना और जुर्माना जमा ना करने पर तीन मांह की अतिरिक्त सजा सुनाई है। 7 वर्ष का कारावास का दंड दिया गया है। आज़म खान औ? अब्दुल्ला आज़म के दो पैन कार्ड के मामले में 7 वर्ष की सजा सुनाए जाने के बाद से पिछले 17 नवंबर से रामपुर की जिला जेल में बंद हैं। आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के थ्रू अब्दुल्लाह आजम कोर्ट में पेश हुए थे। सरकार की तरफ से इस मुकदमे की पैरवी कर रहे अभियोजन अधिकारी स्वदेश कुमार शर्मा ने बताया कि धारा 467 के अंतर्गत आजीवन कारावास का प्रावधान है लेकिन सजा केवल सात वर्ष की सुनाई गई है। निर्णय पढ़ने के बाद हम देखेंगे कि क्या सरकार की ओर से सजा बधाई जाने के लिए उच्च न्यायालय में अपील करेंगे।

# उड्डयन मंत्री नायडू बोले- इंडिगो का परिचालन तीन दिन में सामान्य हो जाएगा, जांच के आदेश दिए गए

नई दिल्ली। उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि नए उड़ान शुल्क मानदंडों को स्थगित रखने सहित विभिन्न परिचालन उपायों से इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान को दूर करने में मदद मिलेगी और अगले तीन दिन में सेवाएं पूरी तरह बहाल होने की उम्मीद है। नायडू ने बयान में कहा कि सरकार ने इंडिगो में व्यवधान के कारणों का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच शुरू करने का भी निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा, डीजीसीए के एफडीटीएल आदेश तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिए गए हैं। हवाई सुरक्षा से समझौता किए बिना, यह निर्णय पूरी तरह से यात्रियों खासतौर पर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों और अन्य लोगों के हित में लिया गया है जो आवश्यक जरूरतों के लिए समय पर हवाई यात्रा पर निर्भर हैं। मंत्री ने कहा कि सामान्य हवाई सेवाएं यथाशीघ्र बहाल करने के लिए परिचालनात्मक उपाय शुरू कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, इन निर्देशों के तत्काल कार्यान्वयन के आधार पर, हम उम्मीद करते हैं कि उड़ान सेवाएं कल तक स्थिर एवं सामान्य हो जाएंगी। हमें उम्मीद है कि अगले तीन दिन में सेवाएं पूरी तरह बहाल हो जाएंगी।

मंत्री ने कहा, इस अवधि के दौरान यात्रियों की सहायता के लिए एयरलाइनों को उन्नत ऑनलाइन सूचना

प्रणालियों के माध्यम से नियमित और सटीक अपडेट प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे यात्री अपने घर बैठे ही उड़ान की वास्तविक स्थिति पर नज़र रख सकें। किसी भी उड़ान के रद्द होने की स्थिति में, एयरलाइनें यात्रियों को बिना किसी अनुरोध के, स्वचालित रूप से पूरा रिफंड जारी कर देंगी। लंबी देरी के कारण फंसे यात्रियों को एयरलाइनों द्वारा सीधे होटल में ठहरने की व्यवस्था की जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्हें लाउंज की सुविधा और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी ताकि उनकी यात्रा आरामदायक रहे। इसके अलावा विलंबित उड़ानों से प्रभावित सभी यात्रियों को जलपान और आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जाएँगी।

नागर विमानन मंत्रालय ने एक 24×7 नियंत्रण कक्ष (011-24610843, 011-24693963, 096503-91859) स्थापित किया है जो त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई, प्रभावी समन्वय और उत्पन्न होने वाली समस्याओं के तत्काल समाधान को सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक समय के आधार पर स्थिति की निगरानी कर रहा है।

उच्च स्तरीय जांच के आदेश

सरकार ने इस व्यवधान की एक उच्च-स्तरीय जाँच कराने का निर्णय लिया है। यह इस बात की जाँच करेगी कि इंडिगो में क्या गड़बड़ हुई, जहाँ भी आवश्यक हो, उचित कार्रवाई के लिए जवाबदेही तय की जाएगी और भविष्य में ऐसी किसी भी व्यवधान को रोकने के लिए उपाय सुझाए जाएँगे ताकि यात्रियों को फिर से ऐसी कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

इंडिगो से कहा गया है कि वह यात्री सुविधाओं और परिचालन संबंधी सुविधाओं को तुरंत प्रभाव से निपटने के लिए कार्य योजना पर काम करें। साथ ही एयरलाइन को निर्देश दिया गया है कि वह सामान्य सेवाएं शीघ्र बहाल करें और यात्रियों के आसुविधाओं को कम करने के लिए अतिरिक्त परिचालन शुरू करे। इससे शनिवार तक सेवाएं स्थिर और तीन दिन में हालात पूरी तरह से सामान्य हो जाएंगे। इंडिगो सेवाओं को प्रभावित करने वाली रुकावटों की विस्तार से उच्च स्तरीय जांच के लिए कहा गया है। इस जांच के माध्यम से रुकावटों का आकलन किया जाएगा जहां पर आवश्यक होगा जिम्मेदारी तय की जाएगी। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय भी सुझाएगी ताकि यात्रियों को फिर से ऐसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

# भारतीय सेना ने रचा इतिहास, अरुणाचल की सर्वोच्च चोटी कांगतो पर पहली सफल चढ़ाई

भारतीय सेना ने पर्वतारोहण के इतिहास में एक नई उपलब्धि हासिल की है। ईस्टर्न कमांड की एक पर्वतारोही टीम ने अरुणाचल प्रदेश की सर्वोच्च और अब तक अजेय रही कांगतो चोटी (7,042 मीटर / 23,103 फीट) पर पहली बार सफलतापूर्वक तिरंगा फहराया है। टीम ने यह कठिन अभियान दक्षिणी मार्ग से पूरा किया, जिसे बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

18 सदस्यीय टीम ने पूरा किया यह सफर

कांगतो पर्वत को अब तक कामेंग हिमालय का 'अनक्लाइंब्ड गार्जियन' कहा जाता था। पूर्वी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने पर्वतारोहण दल को औपचारिक रूप से 'फ्लैग-इन' किया और टीम के साहस, पेशेवराना क्षमता और धैर्य की सराहना की। भारतीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि तीन नवंबर को गजराज कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग द्वारा एक अग्रिम बेस से 'फ्लैग-ऑफ' की गई 18 सदस्यीय टीम ने दुर्गम हिमालयी इलाके को पार करते हुए यह इतिहास रचा। बर्फीली हवाओं, माइनस तापमान, खतरनाक बर्फीली पहाड़ियों, गहरी घाटियों और लगभग सीधी बर्फीली पहाड़ियों का सामना करते हुए टीम ने भारतीय सेना की पहचान जज्बा, अनुशासन, टीमवर्क और अटूट मनोबल का परिचय दिया।

यह ऐतिहासिक चढ़ाई पूर्वी हिमालय की भव्यता को समर्पित है और यह दर्शाती है कि भारतीय सेना मानवीय सहनशक्ति और संचालन क्षमता की सीमाओं को निरंतर आगे बढ़ाती रहती है। भारतीय सेना ने एक बार फिर साबित किया असंभव जैसा कुछ नहीं।

# पान मसाला पर उपकर लगाने वाला बिल लोकसभा में पास, कवच पर काम जारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। संसद के शीतकालीन सत्र का आज पांचवा दिन है। ऐसे में आज भी देखा जाए तो दोनों ही सदनों में कामकाज जरूर हुए। हालांकि अलग-अलग मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने कई बड़े सवाल खड़े किए और साथ ही साथ हंगामा भी किया जिसकी वजह से कार्यवाही को स्थगित भी करनी पड़ी। इंडिगो विमान के रद्द होने का भी मुद्दा संसद में खूब गुंजा। बावजूद इसके दोनों ही सदनों में आज सामान्य रूप से कामकाज देखने को मिला। वहीं, पान मसाला का विज्ञापन करने वाले अभिनेताओं के पुरस्कार वापस लेने की लोकसभा में मांग उठी। राज्यसभा में भाजपा सदस्य ने मालदा स्थित प्राचीन आदिनाथ हिंदू मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। बीजद सांसद ने पुरी निवासियों के लिए जगन्नाथ मंदिर में विशेष 'दर्शन' व्यवस्था की मांग की। लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दे दी। चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदंबिका पाल ने इंडिगो एयरलाइन की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने का मुद्दा शुक्रवार को लोकसभा में उठाते हुए कहा कि सप्ताहांत में कई सांसदों को अपने क्षेत्रों में लौटने में परेशानी आएगी और सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए।

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि हरियाणा में लिंगानुपात में सुधार के मामले में पिछले कुछ सालों में अच्छी प्रगति हुई है और 2022-23 के एसआरएस (नमूना पंजीकरण प्रणाली) के आंकड़ों के अनुसार इनमें 52 अंकों की वृद्धि हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने लोकसभा में कांग्रेस सदस्य दीपेंद्र हुड्डा के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि इस तरह के मामलों में एक दिन में परिवर्तन नहीं आता है और समय लगता है। द्रमुक के वरिष्ठ नेता टी आर बालू ने तमिलनाडु में एक दरगाह के निकट स्थित मंदिर में 'कार्तिगई दीपम' से जुड़ा मुद्दा शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और मद्रास उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश पर टिप्पणी की, जिस पर सत्तापक्ष ने तीखी आपत्ति जताई। बालू ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नाम लिए बगैर आरोप लगाया कि एक दल द्वारा सांप्रदायिक टकराव की स्थित पैदा की जा रही है। उन्होंने इस मामले में फैसला देने वाले न्यायाधीश को एक संगठन से जोड़कर उनका उल्लेख किया। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि बालू असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

राज्यसभा में शुक्रवार को सदस्यों ने बारिश की वजह से फसल खराब होने पर किसानों की समस्याओं, आघात की स्थिति में इलाज के लिए जिला स्तर पर अस्पतालों की कमी और उच्च शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में कथित कमी जैसे मुद्दे उठाए और सरकार से इनके समाधान की मांग की। शून्यकाल के दौरान उच्च सदन में कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल ने गुजरात में अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में हुई बारिश से

किसानों की फसल खराब होने का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में उत्पन्न हालात के चलते किसान बेहाल है और आत्महत्या कर रहे हैं। भाजपा के डॉ अनिल सुखदेव राव बोंडे ने आघात की समस्या के कारण होने वाली जटिलताओं पर चिंता जताई और कहा कि इससे निपटने के लिए जिला स्तर पर आघात सेंटर होना और अच्छे अस्पताल बनाना जरूरी है।

राज्यसभा की मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के चित्रण के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाएं, ताकि नयी पीढ़ी को सही मूल्य और बेहतर सामाजिक शिक्षा मिल सके।

ऑर्डर देने के बाद दस मिनट के भीतर या यथाशीघ्र सेवाएं देने वाले 'डिलीवरी ब्वॉय (आपूर्ति करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि)' की समस्याएं उठाते हुए आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि ''भारतीय अर्थव्यवस्था के इन अनदेखे पहियों'' की खामोशी के पीछे रोजगार की जरूरत और उसे लेकर व्याप्त असुरक्षा इन्हें अपनी जान जोखिम में डालने के लिए मजबूर करती है। पिछले दो दिनों में एयरलाइन कंपनी इंडिगो द्वारा लगभग 500 उड़ानों के रद्द किए जाने का मुद्दा शुक्रवार को राज्यसभा में उठा तथा कांग्रेस सदस्य प्रमोद तिवारी ने एयरलाइन के एकाधिकार और इसका सांसदों और आम आदमी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जताई। शून्यकाल के दौरान तिवारी ने व्यवस्था के नाम पर उठाते हुए कहा कि उड़ानों के रद्द होने से कई सांसदों की सप्ताहांत यात्रा योजनाएं प्रभावित हुई हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि देश में स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' पर तेजी से काम किया जा रहा है, जबकि यह कार्य 1980 या 1990 के दशक में ही पूरा हो जाना चाहिए था। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में मंत्री ने कहा कि दुनिया के कई देशों ने यह प्रणाली काफी पहले ही स्थापित कर ली थी, लेकिन भारत में पूर्ववर्ती सरकारों ने इस दिशा में कदम नहीं उठाए।

राज्यसभा में शुक्रवार को विभिन्न दलों के सदस्यों ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि ऐसे अपराध जीवन भर पीड़ितों को परेशान करते रहते हैं और उनका स्वाभाविक विकास भी प्रभावित होता है। इसके साथ ही कई सदस्यों ने पारंपरिक पारिवारिक ढांचा और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने की जरूरत पर भी बल दिया और कहा कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। बच्चों द्वारा मोबाइल फोन के अति उपयोग को लेकर भी सदस्यों ने चिंता जतायी।

# हाथभट्टी की देशी शराब का बड़ा जखीरा जब्त, 1.11 लाख रुपये का माल बरामद

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में अवैध शराब कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हाथभट्टी से बनी देशी शराब का भारी जखीरा बरामद किया है। यह कार्रवाई 4 दिसंबर 2024 को गुन्हे शाखा, घटक-2 भिवंडी की टीम द्वारा की गई। पुलिस ने मौके से लगभग 1.11 लाख रुपये कीमत की हाथभट्टी की देशी शराब जब्त की है।

भिवंडी अपराध शाखा युनिट -2 पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनावणे के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरीक्षक रामचंद्र जाधव व उनकी टीम ने भिवंडी के आलिमघर इलाके में स्थित एक मकान पर छापा मारा। इस दौरान आरोपी रुपेश नारायण पाटिल ( 35), निवासी आलिमघर, भिवंडी के कब्जे से 1,115 लीटर हाथभट्टी से तैयार की गई अवैध देशी शराब बरामद की गई। जिसकी बाजार कीमत लगभग 1,11,500 रूपये बताई जाती है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ नारपोली पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 1307/2025 के तहत महाराष्ट्र देशी दारू अधिनियम 1949 की धारा 65(ई) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई ठाणे पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत पुलिस उप आयुक्त (गुन्हे) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े (शोध-1) के मार्गदर्शन में भिवंडी अपराध शाखा पुलिस पथक द्वारा की गई। इस छापेमारी में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनावणे, सहायक पुलिस निरीक्षक मिथुन भोंईर, पुलिस उप निरीक्षक रामचंद्र जाधव, रविंद्र बी.पाटिल, पुलिस हवलदार किशोर थोरात, प्रकाश पाटिल, शशिकांत यादव, निलेश बोसले व सफराज तडवी की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई से भिवंडी क्षेत्र में अवैध हाथभट्टी शराब के कारोबार को बड़ा झटका माना जा रहा है।

# भिवंडी में मेट्रो-5 और सड़क चौड़ीकरण से प्रभावितों का मुद्दा विधानसभा अध्यक्ष तक पहुँचा

भिवंडी। शहर के कल्याण रोड व्यापारी व रहिवाशी संघर्ष समिति के शिष्ट मंडल ने बुधवार को सपा विधायक अबू आसिम आज़मी के नेतृत्व में महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नारवेकर से मुलाकात कर भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका क्षेत्र में चल रहे मेट्रो-5 प्रकल्प और सड़क चौड़ीकरण कार्य से उत्पन्न गंभीर समस्याओं को उनके समक्ष रखा। मुलाकात के दौरान विधायक अबू आसिम आज़मी ने कहा कि इस प्रकल्प के चलते कई धार्मिक स्थल जैसे मंदिर, मस्जिद, दरगाह, कब्रिस्तान के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों और रहिवासियों के घर प्रभावित हो रहे है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विधिवत डेवेलपमेंट प्लान स्वीकृत हुए बिना ही महानगरपालिका द्वारा अवैध तोड़क कार्रवाई की गई, जिससे कई नागरिकों के ढांचे तोड़ दिए गए। उन्होंने यह भी बताया कि जिन नागरिकों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है, उन्हें अब तक कोई उचित मुआवजा नहीं दिया गया है। आज़मी ने मांग की कि विकास कार्यों के दौरान आम नागरिकों,

व्यापारियों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, आस्था और अधिकारों की पूरी तरह से रक्षा की जाए। इस पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर ने संघर्ष समिति को आश्वासन दिया कि पूरे मामले पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी नागरिक की आस्था, संपत्ति या रोज़गार को नुकसान न पहुंचे। बैठक को सकारात्मक बताते हुए संघर्ष समिति ने उम्मीद जताई कि जल्द ही इस मुद्दे पर ठोस कार्रवाई की जाएगी। समिति के अध्यक्ष शादाब उस्मानी ने कहा, 'विकास ज़रूरी है, मगर न्याय, संवेदनशीलता और संवाद के साथ।'

# सड़क पर बहता गटर का गंदा पानी, बदबू और फिसलन से जनजीवन बेहाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका के प्रभाग समिति क्रमांक चार के अंतर्गत फाल्कन होटल से सुपर बिल्डिंग तक का पूरा रोड गटर जाम और टूटी नालियों के कारण लगातार गंदे पानी से लबालब है। सड़क पर बहता सीवर का पानी पूरे इलाके में दुर्गंध और संक्रमण का खतरा फैला रहा है। इसी मार्ग से रोज़ाना सैकड़ों स्कूली बच्चों का आवागमन होता है, जो मजबूरी में गंदे पानी से होकर स्कूल जाने को विवश हैं।

यह सड़क दिवानशाह दरगाह और बाबू चुन्नी वाली बिल्डिंग तक जाती है। बाबू चुन्नी वाली बिल्डिंग के पास रोज़ाना लगने वाले बाजार के कारण यहां महिलाओं की भारी भीड़ रहती है। सड़क पर लगातार जमा गटर के पानी से पूरा मार्ग कीचड़ और गंदगी में तब्दील हो चुका है। पानी जमा रहने से फिसलन बढ़ गई है, जिससे हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय निवासी सोहेल खान ने इस भयावह स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसके बाद यह मामला सामने आया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह गटर का पानी सड़क पर बह रहा है और लोग मजबूरी में उसी गंदगी के बीच से गुजर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं किया गया है। गटर और सड़क की तत्काल मरम्मत नहीं होने से पूरे क्षेत्र में रोज़मर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो रही है। सड़क पर बहता सीवर का पानी न केवल यातायात में बाधा बन रहा है, बल्कि यह गंभीर बीमारियों के फैलने का बड़ा कारण भी बन रहा है। लगातार बनी इस स्थिति से क्षेत्र में रहने वाले नागरिक भारी परेशानी झेल रहे हैं।

# भिवंडी में अवैध इमारतों का 'मौत का कारोबार' जारी

## प्रशासनिक सरंक्षण में खड़ी हो रहीं 7 मंजिला 'मौत की इमारतें'

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र में अवैध निर्माण अब एक संगठित 'माफिया नेटवर्क' का रूप ले चुका है। प्रशासक काल में भी पूरे शहर में पांच से सात मंजिला तक की मौत को न्योता देती अवैध इमारतें खुलेआम खड़ी की जा रही हैं। चौंकाने वाला आरोप है कि प्रति स्लैब 100 रुपये फुट के हिसाब से रिश्वत लेकर प्रभाग समितियों के अधिकारी इन जानलेवा निर्माणों को खुला संरक्षण दे रहे हैं। शहर विकास विभाग में नियमित सक्षम अधिकारी की नियुक्ति न होने की आड़ में सहायक आयुक्तों के भरोसे पूरा तंत्र चल रहा है। इसका सीधा फायदा झोलाछाप बिल्डरों को मिल रहा है, जो मात्र दो से तीन महीनों में सात-सात मंजिला इमारतें खड़ी कर सस्ते दामों में फ्लैट और दुकानें बेचकर फरार हो रहे है। सस्ते घर के सपने में आम नागरिक अपनी जिंदगी भर की कमाई दांव पर लगा रहे है जबकि यह इमारतें किसी भी दिन मौत का कारण बन सकती हैं। सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि स्वयं भिवंडी मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने वर्ष 2022 से 2025 की शुरुआत तक 291 अवैध इमारतों के निर्माण की पुष्टि प्रेस विज्ञप्ति के ज़रिए की थी। उपायुक्त विक्रम दराडे ने इनमें से केवल 40 इमारतें तोड़े जाने का दावा किया, लेकिन सच्चाई यह है कि आज भी शहर में अवैध सात मंजिला इमारतें सीना तानकर खड़ी हैं और प्रशासन के दावों का खुला मज़ाक उड़ा रही हैं।

पालिका सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में मनपा की पांचों प्रभाग समितियों में 150 से अधिक अवैध इमारतें निर्माणाधीन है। हैरानी की बात यह है कि लिखित शिकायतों के बावजूद केवल एमआरटीपी एक्ट की धारा 260 के तहत नोटिस देकर खानापूर्ति की जा रही है। इसके बाद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। इसका मतलब साफ है या तो सिस्टम पूरी तरह फेल है, या फिर अवैध निर्माण को जानबूझकर खुली छूट दी जा रही है।

प्रभाग समिति क्रमांक दो के अंतर्गत टेमघर, भादवड नाका स्थित मकान नंबर 20 की चार मंजिला इमारत को मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर मनपा ने जेसीबी से तोड़ दिया था। इस कार्रवाई में 50 से 60 परिवार सड़क पर आ गए। दूसरी तरफ, प्रभाग समिति क्रमांक तीन के अंतर्गत पद्मानगर, कणेरी में घर नंबर 75 तोड़कर उसी स्थान पर पांच मंजिला नई अवैध इमारत धड़ल्ले से खड़ी की जा रही है। जिसकी लिखित शिकायतों के बावजूद प्रशासन मौन बना हुआ है। स्थानीय निवासी एवं कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी चर्चिन सुतार ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 'छोटे लोगों पर बुलडोजर चलता है और बड़े बिल्डरों को सरकारी सरंक्षण मिलता है। यह दोहरी नीति भिवंडी को किसी बड़े हादसे की ओर धकेल रही है।' जिस तरह से अवैध इमारतें बिना किसी सुरक्षा मानक के खड़ी की जा रही हैं, उससे यह आशंका गहराती जा रही है कि भिवंडी किसी भी दिन बड़े हादसे का गवाह बन सकता है। सवाल यह है कि तब ज़िम्मेदार कौन होगा – बिल्डर, अधिकारी या पूरा तंत्र? अब शहरवासियों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस 'मौत के धंधे' पर कब तक आंख मूंदे बैठा रहेगा।

# कल्याण-लोनावला सेक्शन में अप और डाउन लाइनों के विस्तार और अप यार्ड में एक अतिरिक्त लाइन के लिए लोनावला-बीवीटी यार्ड में प्री नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) और नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों हेतु विशेष यातायात और पावर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल का मुंबई मंडल, लोनावला-बीवीटी यार्ड में प्री नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) और नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों के लिए विशेष यातायात और पावर ब्लॉक संचालित कर रहा है। यह कार्य यार्ड रीमॉडलिंग और डाउन में 3 आरएंडडी लाइनों और 5 आरएंडडी लाइनों के विस्तार तथा कल्याण-लोनावला खंड पर लोनावला-बीवीटी अप यार्ड में एक अतिरिक्त लाइन के प्रावधान और दिनांक 08.12.2025 और दिनांक 10.12.2025 को एनआई ब्लॉक के बाद के संबंध में है। दिनांक 07.12.2025 को चलने वाली ट्रेनों पर ब्लॉक और उसके प्रभाव का विवरणः दिनांक 07.12.2025 को 02.15 बजे से 18.15 बजे तक लोनावला-बीवीटी यार्ड सभी लाइनों पर ब्लॉक रहेगा ।

07.12.2025 को चलने वाली ट्रेनों पर प्रभाव। मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों पर होने वाला प्रभाव।

**ट्रेनों का रद्दीकरण**

निम्नलिखित ट्रेनें, जिनकी यात्रा दिनांक 06.12.2025 को आरंभ होने वाली है, रद्द रहेंगी।

ट्रेन संख्या 12128 पुणे-सीएसएमटी इंटरसिटी एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 22106 पुणे-सीएसएमटी इंद्रायणी एक्सप्रेस

निम्नलिखित ट्रेनें, जिनकी यात्रा दिनांक 07.12.2025 को शुरू होने वाली है, रद्द रहेंगी।ट्रेन संख्या 12127 सीएसएमटी-पुणे इंटरसिटी एक्सप्रेस। ट्रेन संख्या 22105 सीएसएमटी-पुणे इंद्रायणी एक्सप्रेस। ट्रेन संख्या 11007 / 11008 सीएसएमटी-पुणे-सीएसएमटी डेक्कन एक्सप्रेस। ट्रेन संख्या 12125 / 12126 सीएसएमटी-पुणे-सीएसएमटी प्रगति एक्सप्रेस। ट्रेन संख्या 12123 / 12124 सीएसएमटी-पुणे-सीएसएमटी डेक्कन क्वीन। ट्रेन संख्या 11009 / 11010 सीएसएमटी-पुणे-सीएसएमटी सिंहगढ़ एक्सप्रेस। ट्रेनों को रिशेड्यूल किया जाएगा निम्नलिखित ट्रेनें जिनकी यात्रा दिनांक 06.12.2025 से आरंभ होंगी उनको रिशेड्यूल किया जाएगा। ट्रेन संख्या 20495 जोधपुर-हडपसर एक्सप्रेस, जोधपुर से दिनांक 07.12.2025 को 01.00 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 06.12.2025 को 22.00 बजे)। ट्रेन संख्या 22194 ग्वालियर-दौंड सुपरफास्ट एक्सप्रेस, ग्वालियर से 19.15 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 17.15 बजे) निम्नलिखित ट्रेनें जिनकी यात्रा दिनांक 07.12.2025 को आरंभ होगी उनको रिशेड्यूल किया जाएगा ट्रेन संख्या 11011 सीएसएमटी-धुले एक्सप्रेस, सीएसएमटी से 15.20 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 12.00 बजे)। ट्रेन संख्या 11019 सीएसएमटी-भुवनेश्वर न्यू कोणार्क एक्सप्रेस सीएसएमटी से 16.30 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 14.00 बजे) ट्रेन संख्या 22225 सीएसएमटी-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस सीएसएमटी से 16.35 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 16.05 बजे)।

ट्रेन संख्या 22732 सीएसएमटी-हैदराबाद एक्सप्रेस सीएसएमटी से 16.40 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 14.10 बजे)।

ट्रेन संख्या 11139 सीएसएमटी-होसपेट एक्सप्रेस सीएसएमटी से 22.20 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 21.20 बजे)

ट्रेन संख्या 17613 पनवेल-नांदेड़ एक्सप्रेस पनवेल से 17.30 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 16.00 बजे)

ट्रेन संख्या 11030 कोल्हापुर-सीएसएमटी कोयना एक्सप्रेस कोल्हापुर से 09.25 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 08.25 बजे)।

ट्रेन संख्या 22943 दौंड-इंदौर एक्सप्रेस, दौंड से दोपहर 15.40 बजे प्रस्थान करेगी (निर्धारित प्रस्थान 14.10 बजे) ट्रेनों का डाईवर्जन।

दिनांक 06.12.2025 को शुरू होने वाली निम्नलिखित ट्रेनों को डाईवर्ट किया जाएगा। ट्रेन संख्या 12164 चेन्नई-एलटीटी एक्सप्रेस को दौंड-अहिल्यानगर-मनमाड-इगतपुरी-कल्याण के रास्ते डाईवर्ट किया जाएगा और इन स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा। ट्रेन संख्या 16332 तिरुवनंतपुरम-सीएसएमटी एक्सप्रेस को एर्नालुकम-शोरानूर-मंगलुरु जंक्शन-मडगांव-रोहा-पनवेल के रास्ते डाईवर्ट किया जाएगा और इन स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा।दिनांक 07.12.2025 को शुरू होने वाली निम्नलिखित ट्रेनों को डाईवर्ट किया जाएगा ट्रेन संख्या 12493 मिरज-हज़रत निज़ामुद्दीन दर्शन एक्सप्रेस को मिरज-कुर्दुवाड़ी-दौंड-मनमाड-जलगाँव-नंदुरबार-सूरत के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा और इन स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा। ट्रेन संख्या 17222 एलटीटी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस को कल्याण-इगतपुरी-मनमाड-अहिल्यानर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा और कसारा, इगतपुरी, मनमाड और अहिल्यानगर स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा। ट्रेन संख्या 22159 सीएसएमटी-चेन्नई एक्सप्रेस को कल्याण-इगतपुरी-मनमाड-अहिल्यानर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। कसारा, इगतपुरी, मननाड, अहिल्यानगर और दौंड स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा। ट्रेनों का रेगुलेशन। निम्नलिखित ट्रेनें जिनकी की यात्रा दिनांक 06.12.2025 को शुरू होगी उन्हें रेगुलेट किया जाएगा ट्रेन संख्या 20668 जयपुर-यशवंतपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस कर्जत में 30 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी। ट्रेन संख्या 11302 बेंगलुरु-सीएसएमटी एक्सप्रेस पुणे मंडल में 45 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी। ट्रेनों के रेगुलेशन के कारण निम्नलिखित ट्रेनें विलम्ब से चलेंगी। ट्रेन संख्या 16613 राजकोट-कोयंबटूर एक्सप्रेस। ट्रेन संख्या 12163 एलटीटी-चेन्नई एक्सप्रेस।

ट्रेन संख्या 12939 पुणे-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 22150 पुणे-एर्नाकुलम सुपरफास्ट एक्सप्रेस।

ट्रेन संख्या 16506 बेंगलुरु-गांधीधाम एक्सप्रेस।

ट्रेन संख्या 11090 पुणे-भगत की कोठी एक्सप्रेस।

**पुणे उपनगरीय ट्रेनों पर ब्लॉक का प्रभाव**

**पुणे उपनगरीय ट्रेनों का रद्दीकरण**

दिनांक 07.12.2025 की पुणे-लोनावला-पुणे उपनगरीय ट्रेनें रद्द रहेंगी

पुणे से 00.15 बजे प्रस्थान करने वाली पुणे-लोनावला लोकल

लोनावला से 05.20 बजे प्रस्थान करने वाली लोनावला-पुणे लोकल

दिनांक 07.12.2025 को पुणे उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन

पुणे/शिवाजी नगर से 04.45 बजे से 17.20 बजे तक प्रस्थान करने वाली लोनावला के लिए उपनगरीय ट्रेनें तलेगांव में शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएंगी।

दिनांक 07.12.2025 को पुणे उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट ओरिजनेशन

पुणे/शिवाजी नगर के लिए 06.30 बजे से 19.00 बजे तक लोनावला से प्रस्थान करने वाली उपनगरीय ट्रेनें तलेगांव से शॉर्ट ओरिजनेट होंगी।

एनआई ब्लॉक के बाद दिनांक 08.12.2025 को सुबह 11:25 बजे से 15:25 बजे तक और दिनांक 10.12.2025 को दोपहर 13:00 बजे से शाम17:00 बजे तक।

**दिनांक 08.12.2025 को चलने वाली ट्रेन पर प्रभाव**

ट्रेन संख्या 22159 सीएसएमटी-चेन्नई एक्सप्रेस को लोनावला में 5 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा

दिनांक 08.12.2025 को पुणे उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन

पुणे से सुबह 09:57 बजे और 11:17 बजे प्रस्थान करने वाली लोनावला के लिए उपनगरीय ट्रेनें तालेगांव में शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएंगी ।

दिनांक 08.12.2025 को पुणे उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट ऑरिजनेशन

पुणे/शिवाजी नगर जाने वाली उपनगरीय ट्रेनें, जो लोनावला से 11.30 बजे और 14.50 बजे प्रस्थान करने वाली सेवाएं तालेगांव से शॉर्ट ऑरिजनेट होंगी ।

**दिनांक 10.12.2025 को चलने वाली ट्रेनों पर प्रभाव**

ट्रेन संख्या 16340 नागरकोइल-सीएसएमटी एक्सप्रेस।

ट्रेन संख्या 11008 पुणे-सीएसएमटी डेक्कन एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 22943 दौंड-इंदौर एक्सप्रेस को पुणे मंडल पर 10 से 30 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा। दिनांक 10.12.2025 को पुणे उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन शिवाजी नगर से 12.05 बजे और पुणे से 15.00 बजे प्रस्थान करने वाली लोनावला जाने वाली उपनगरीय ट्रेनें तालेगांव में शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएंगी । दिनांक 10.12.2025 को पुणे उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट ओरिजनेशन

पुणे/शिवाजी नगर के लिए उपनगरीय ट्रेनें, जो लोनावला से 14.50 बजे और 17.30 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेनें तालेगांव से शॉर्ट ओरिजनेट होंगी । यात्रियों से अनुरोध है कि वे ट्रेनों के परिचालन में होने वाले बदलावों पर ध्यान दें और इससे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

# रूस का भारत को तेल की गारंटीः पश्चिमी दबाव बेअसर, पुतिन ने किया अहम वादा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को ज़ोर देकर कहा कि रूस भारत को निरंतर ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करता रहेगा। इस तरह, भारत द्वारा रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की बढ़ती खरीद को लेकर पश्चिमी दबाव के बीच, मास्को ने नई दिल्ली के लिए एक प्रमुख ईंधन साझेदार के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि की। नई दिल्ली में 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, पुतिन ने कहा कि रूस भारत की तेज़ी से बढ़ती ऊर्जा माँग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुतिन ने कहा कि मैं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, भारत की प्रधानमंत्री और हमारे सभी भारतीय सहयोगियों को रूसी प्रतिनिधिमंडल के गर्मजोशी भरे और आतिथ्यपूर्ण स्वागत के लिए धन्यवाद देता हूं... मैं प्रधानमंत्री मोदी को कल उनके आवास पर आयोजित रात्रिभोज के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार हैं। हमारे देश धीरे-धीरे भुगतान निपटान के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग की ओर बढ़ रहे हैं। वाणिज्यिक भुगतानों में यह हिस्सेदारी पहले से ही 96 प्रतिशत है।

पुतिन ने कहा कि पिछले वर्ष, विभिन्न आँकड़ों के अनुसार, हमारे द्विपक्षीय व्यापार में 12इ की वृद्धि हुई है, जिसने एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। यह संख्या अलग दिख सकती है, लेकिन सामान्यतः यह लगभग 64 अरब अमेरिकी डॉलर है। वर्तमान में, हमारा अनुमान है कि इस वर्ष के परिणाम उसी प्रभावशाली स्तर पर बने रहेंगे। साथ ही, जैसा कि मैं समझता हूँ, हम इस संख्या को 100 अरब डॉलर के स्तर तक पहुँचाने के लिए तैयार हैं... प्रधानमंत्री ने हमें चुनौतियों की एक पूरी सूची दी है जिन पर हमारी सरकार को सबसे अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। हम ऐसा करेंगे। भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच एक मुक्त व्यापार क्षेत्र के निर्माण से रूस-भारत वाणिज्यिक संबंधों के विकास में मदद मिलेगी। हम इसी समझौते पर पहले से ही काम कर रहे हैं। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि हम सबसे बड़े भारतीय परमाणु संयंत्र के निर्माण की परियोजना पर भी काम कर रहे हैं। छह में से तीन रिएक्टर पहले ही ऊर्जा नेटवर्क से जुड़ चुके हैं। हम अपने भारतीय साझेदारों के साथ मिलकर नए अंतर्राष्ट्रीय परिवहन मार्ग बनाने पर काम कर रहे हैं, जिसमें रूस या बेलारूस से हिंद महासागर तट तक उत्तर-दक्षिण परिवहन बनाने की परियोजना भी शामिल है। रूस और भारत ब्रिक्स, एससीओ और वैश्विक बहुमत के अन्य देशों में समान विचारधारा वाले देशों के साथ स्वतंत्र और आत्मनिर्भर विदेश नीति का संचालन कर रहे हैं... हम संयुक्त राष्ट्र में निहित कानून के मुख्य सिद्धांत की रक्षा कर रहे हैं। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स के संस्थापक राष्ट्रों के रूप में, रूस और भारत ने इस संगठन का अधिकार बढ़ाने के लिए बहुत कुछ किया है और आगे भी करते रहेंगे। जैसा कि आप जानते हैं, अगले वर्ष भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा। हम अपने भारतीय मित्रों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे। हमारा देश पिछली आधी सदी से भारतीय सेना, जिसमें वायु रक्षा बल, विमानन और नौसेना शामिल हैं, को हथियारबंद और आधुनिक बनाने में मदद कर रहा है। कुल मिलाकर, हम अभी हुई बातचीत के परिणामों से निस्संदेह संतुष्ट हैं... मैं विश्वास व्यक्त कर सकता हूँ कि वर्तमान यात्रा और हुए समझौते हमारे देशों और जनता, भारत और रूस की जनता के लाभ के लिए रूसी-भारतीय रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने में मदद करेंगे।

# मैनचेस्टर यूनाइटेड का वेस्ट हैम के खिलाफ शर्मनाक प्रदर्शन : कोच ने खोया आपा, प्रशंसक हैरान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मैनचेस्टर यूनाइटेड वेस्ट हैम को मात देने में असफल रहा और यह नतीजा लगातार दूसरी घरेलू निराशा के रूप में सामने आया है। बता दें कि पिछली बार 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे एवर्टन से हार झेलने के बाद अब 18वें स्थान पर मौजूद वेस्ट हैम के खिलाफ भी यूनाइटेड तीन अंक हासिल नहीं कर सका। मौजूद जानकारी के अनुसार अन्य टीमों के परिणाम यूनाइटेड के पक्ष में रहे थे, ऐसे में अंकतालिका में पांचवें स्थान तक पहुंचने की उम्मीद थी लेकिन गोल के अवसर बनाने में टीम स्पष्ट रूप से संघर्ष करती दिखी हैं।

मिडफ़ील्ड में ब्रूनो फर्नांडिस की रचनात्मकता फीकी रही और पहली बार प्रीमियर लीग में शुरुआत करने वाले आयडेन हेवन भी बैकलाइन में आश्वस्त नहीं दिखे। कोच अमोरीम मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट तौर पर नाराज़ दिखे और कहा कि बढ़त मिलने के बाद टीम ने पूरी तरह से नियंत्रण खो दिया।

उन्होंने कहा कि पहली बढ़त के बाद टीम को मैच बंद कर देना चाहिए था। अमोरीम के शब्दों में, 'हमें गेंद अपने पास रखकर खेल को खत्म करना था। हमने लंबे समय में नियंत्रण खोया, दूसरी गेंदें भी गंवाईं और वही हमारी सबसे बड़ी समस्या रही। अवसर स्पष्ट थे लेकिन हम उन्हें गोल में बदलने में सफल नहीं रहे हैं।'

गौरतलब है कि हेवन को शुरुआती पीले कार्ड और लगातार दबाव झेलने के कारण हाफ टाइम पर ही बाहर बैठा दिया गया। अमोरीम ने स्वीकार किया कि वेस्ट हैम के स्ट्राइकर पर लगातार एक बनाम एक की स्थिति में पीला कार्ड दोबारा मिलने का खतरा बढ़ रहा था इसलिए यह परिवर्तन आवश्यक था।

गोल स्कोरर डेलॉट ने भी स्वीकार किया कि गोल के तुरंत बाद टीम प्रेशर में चली गई और पजेशन पर नियंत्रण कमजोर होता गया। उन्होंने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड में यह स्तर स्वीकार्य नहीं है और शीर्ष चार में बने रहने के लिए ऐसे मैच जीतना जरूरी है।

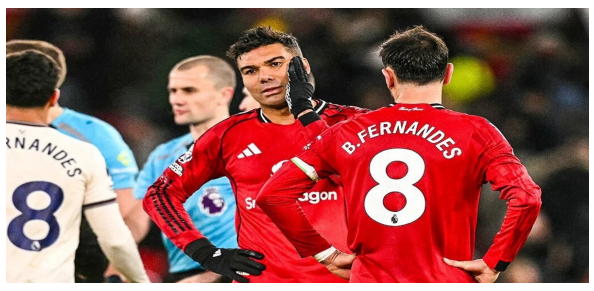

फिलहाल यूनाइटेड के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण होती जा रही है और लगातार मिले इन कमजोर परिणामों ने टीम के आत्मविश्वास को प्रभावित किया है। अगला मुकाबला अब टीम के लिए मानसिक और तकनीकी दोनों स्तर पर बड़ा परीक्षण साबित होने वाला है, क्योंकि दबाव बढ़ता ही जा रहा है और नतीजे वांछित नहीं आ रहे हैं। वर्तमान प्रदर्शन को देखें तो यूनाइटेड की कमियाँ केवल अवसर गंवाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नियंत्रण, लय और रणनीतिक स्थिरता भी सवालों में हैं। यही कारण है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में बढ़ती बेचैनी के बीच टीम को बहुत कुछ सुधारने की ज़रूरत स्पष्ट रूप से महसूस हो रही है।

# फ्रीस्टाइल शतरंज फाइनल से पहले नीमन ने डाइव चेस चैम्पियनशिप जीती, कार्लसन-एरिगैसी समेत दिग्गज खिलाड़ी पहुंचे दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के ग्रूटबोस प्राइवेट नेचर रिज़र्व में 8 दिसंबर से शुरू होने जा रहे फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल्स से पहले गुरुवार को कई रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मौजूद जानकारी के अनुसार साइड इवेंट्स में खेले गए डाइव चेस मुकाबले में जीएम हंस नीमन ने जीएम फाबियानो कारुआना को हराकर जीत हासिल की हैं। बता दें कि यह मुकाबला केप टाउन के सिलॉ होटल की रूफटॉप पूल में हुआ, जहां नियम के अनुसार एक खिलाड़ी सतह पर आते ही दूसरे को पानी में डुबकी लगाकर तुरंत चाल चलनी होती थी।

गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट में कुल आठ शीर्ष खिलाड़ी ; चेस 960 प्रारूप में आमने-सामने होंगे, जिनमें मैग्नस कार्लसन, फाबियानो कारुआना, विन्सेंट केमर, लेवोन अरोनियन, अरुंज एरिगैसी, हंस नीमन, परहम मगसूदलू और जवोखिर सिंदारोव शामिल हैं। बता दें कि सिंदारोव हाल ही में 2025 वर्ल्ड कप जीत चुके हैं और इस बार भी मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं।

इसी दौरान कई खिलाड़ियों ने यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न केप पहुंचकर प्रशंसकों से मुलाकात की और 40 से अधिक बोर्डों पर सिमल्टेनियस मैच खेले। मौजूद सूचना के अनुसार इस दौरान विंसेंट केमर और पीटर लेको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 जीत और 2 ड्रॉ हासिल किए, जबकि कार्लसन और अरोनियन को चार मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैग्नस कार्लसन ने अफ्रीकी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय बाद यहां वापस आकर वे बेहद खुश हैं और फ्रीस्टाइल चेस को वैश्विक मंच देने के लिए आयोजक ब्यूटनर और उनकी टीम का प्रयास सराहनीय है। वहीं ब्यूटनर ने कहा कि उनका लक्ष्य चेस को एक बड़े स्पोर्टिंग ब्रांड के रूप में स्थापित करना है और जल्द ही ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण अमेरिका में भी आयोजन की योजना बनाई जा रही है।

गौरतलब है कि आयोजकों ने समय नियंत्रण में बदलाव करते हुए पारंपरिक 90ः30 की जगह रैपिड फॉर्मेट शामिल किया है, ताकि दुनियाभर में चेस को अधिक आकर्षक और दर्शक-उन्मुख बनाया जा सके। वित्तीय मोर्चे पर ब्यूटनर ने स्वीकार किया कि स्पॉन्सरशिप उम्मीद के अनुसार तेज़ी से नहीं बढ़ी, लेकिन वे आने वाले वर्ष में आयोजन को आर्थिक रूप से स्थिर करने की दिशा में आश्वस्त हैं।

यह टूर्नामेंट सिर्फ खेल नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चेस के नए विस्तार का संकेत माना जा रहा है, जिसमें नई दर्शक पीढ़ी को जोड़ने और परंपरागत चेस के बाहर नए प्रारूपों को विस्तार देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी उत्साह के साथ फ़ाइनल्स की तैयारियां जारी हैं।

# 'टॉप ऑर्डर में खेलते तो केएल राहुल बन जाते 'शतक मशीन', टीम की जरूरत समझ निभा रहे भूमिका'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केएल राहुल ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिसने पिछले दो मुकाबलों में भारत की पारी को निचले क्रम से संभाला है। राहुल के लगातार नाबाद अर्धशतकों ने न सिर्फ टीम को मजबूती दी, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज़ गेंदबाज डेल स्टेन तक को प्रभावित कर दिया हैं। गौरतलब है कि मौजूद जानकारी के अनुसार राहुल अब स्थायी रूप से 5 या 6 नंबर पर खेलते हैं और वहीं से मैच का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं।

स्टेन ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में कहा कि राहुल कम गेंदों में भी बिल्कुल सही समय पर स्ट्राइक रोटेट करना और अंत में तेज़ी से रन बनाना जानते हैं। बता दें कि रांची में उन्होंने 60 रन बनाए थे और इसके बाद रायपुर में केवल 43 गेंदों पर 66 रन की तेज़ पारी खेली, जिस दौरान उन्होंने डेथ ओवर्स में सटीक शॉट से रन गति को ऊंचा रखा हैं। स्टेन ने यह भी कहा कि यदि राहुल ओपनिंग या नंबर 3 पर बल्लेबाज़ी करते, तो वे और अधिक शतक बना सकते थे, लेकिन टीम की ज़रूरत समझकर अपना रोल निभाना उनकी सबसे बड़ी ताकत है। हालांकि रायपुर में भारत 358 रन बनाने के बावजूद मैच हार गया, लेकिन राहुल की पारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सका। विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ की शतकीय पारियों के बीच भी राहुल का असर स्पष्ट दिखाई दिया है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्कर्म के 110 रन की बदौलत यह ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया गया, जिसके बाद अब सीरीज़ 1-1 की बराबरी पर पहुंच चुकी है।

अब विशाखापट्टनम में 6 दिसंबर को निर्णायक मुकाबला खेला जाना है, जहां उम्मीद की जा रही है कि राहुल एक बार फिर अपने शांत, संयमित और तेज़ फिनिशिंग अंदाज़ से अहम भूमिका निभाते नज़र आएंगे।

# सूर्या का तूफान! आदित्य तारे को पीछे छोड़ मुंबई टी20 में रचा इतिहास, बने रन मशीन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के मौजूदा टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ ली है, वे टी20 क्रिकेट में मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने आदित्य तारे के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 1, 717 रनों के साथ चार्ट में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। सूर्यकुमार ने 71 मैचों में 145.38 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और इसमें नौ अर्धशतक शामिल हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 94 रन रहा है।

सूर्यकुमार यादव अपने राज्य के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं। उन्होंने केरल के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 25 गेंदों पर 32 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। आदित्य तारे अब 68 मैचों में 1, 713 रनों के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय स्तर के आंकड़े उनकी उत्कृष्टता को और भी उजागर करते हैं। 95 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, उन्होंने 164.41 की शानदार स्ट्राइक रेट से 2, 754 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं।

उनका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) रिकॉर्ड भी उतना ही शानदार है। 166 मैचों में, सूर्या ने दो शतकों और 29 अर्द्धशतकों की मदद से 4, 311 रन बनाए हैं। उन्होंने आठ चैंपियंस लीग टी20 (सीएलटी20) मैचों में भी हिस्सा लिया है, जहाँ उन्होंने 41 की औसत से 123 रन बनाए हैं। स्थिरता, प्रतिभा और नेतृत्व की सहज भावना सूर्यकुमार यादव के सफ़र को परिभाषित करती है, जो हर गुजरते सीज़न के साथ नई ऊँचाइयों को छूता रहता है।

# टीम इंडिया के लिए ख़तरे की घंटी! ब्रीज़टके बोले - नंबर 4 पर बैटिंग का बढ़ा अनुभव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के ने कहा कि अब उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने का अधिक अनुभव हो रहा है। ब्रीट्ज़के ने यह बात टीम इंडिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के तीसरे वनडे मैच की पूर्व संध्या पर कही। सीनियर दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी एडेन मार्कर्म और क्विंटन डी कॉक तथा कप्तान टेम्बा बावुमा के वनडे में शीर्ष तीन पर खेलने के कारण ब्रीट्ज़के को चौथे नंबर पर धकेल दिया गया है।

ब्रीट्ज़के ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका के 359 रनों के ऐतिहासिक लक्ष्य का पीछा करते हुए एक शानदार अर्धशतक बनाया। उनकी पारी और एडेन मार्कर्म के शतक की बदौलत प्रोटियाज ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से ब्रीट्ज़के ने कहा कि ज़ाहिर है, अब मुझे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने का अधिक अनुभव हो रहा है, और मैं इस भूमिका में थोड़ा और सहज महसूस करने लगा हूँ। इससे मदद मिलती है, और मुझे लगता है कि जितना अधिक मैं चौथे नंबर पर और इस भूमिका में खेलूँगा, उम्मीद है कि मैं उतना ही बेहतर होता जाऊँगा। प्रोटियाज़ बल्लेबाज़ ब्रीट्ज़के ने चौथे नंबर पर नौ पारियों में 56.12 की औसत, पाँच अर्धशतक और लगभग 95 के स्ट्राइक रेट से 449 रन बनाए हैं। ब्रीट्ज़के ने रांची में हुए पहले वनडे मैच में पारी को संवारने के बारे में भी खुलकर बात की, जिसे भारत ने 17 विकेट से जीता था। ब्रीट्ज़के ने कहा, 'ज़ाहिर है, पहले मैच में हम थोड़ी मुश्किल में थे, इसलिए मुझे पारी को संवारना था और फिर दूसरे मैच में बस आने वाले बल्लेबाज़ों को संभालना था।' उन्होंने आगे कहा कि हमने ज़ाहिर तौर पर एडेन उनके शतक के बाद को खो दिया और फिर मुझे डडेवाल्ड. ब्रेविस को संभालना था और फिर उन बल्लेबाज़ों को संभालना था और उन्हें मेरे आस-पास बल्लेबाज़ी करने देना था, उनमें ज़बरदस्त ताकत है - बस उनके साथ साझेदारी बनाने की कोशिश करनी थी।

## आरबीआई की मौद्रिक नीति के फैसले के बाद रुपया 16 पैसे टूटकर 90.05 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये ने दोपहर कारोबार में अपनी शुरुआती बढ़त खो दी और डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को प्रमुख ब्याज दर में कटौती के बाद रुपये में गिरावट आई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि जब तक कि विदेशी संस्थागत निवेशक बड़े पैमाने पर बाजार में पैसे नहीं डालते, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दरों में कटौती से रुपया नीचे आता रहेगा केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को वृहद आर्थिक स्थिति एवं वैश्विक परिस्थितियों पर गौर करते हुए प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.85 पर खुला। सुबह के कारोबार में बढ़त के साथ 89.69 पर पहुंच गया था जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति घोषणा के बाद रुपये में गिरावट आई और यह 16 पैसे टूटकर 90.05 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ 89.89 पर बंद हुआ था।

इस साल डॉलर के मुकाबले रुपया करीब पांच प्रतिशत टूटा है जो एशिया मुद्रा के मुकाबले सबसे खराब प्रदर्शन है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.97 पर रहा।

# सेबी का फिनफ्लुएंसर पर शिकंजा : अवधूत साठे के 546 करोड़ जब्त, बाजार में बड़ा संदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सेबी ने फिनफ्लुएंसर जगत में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए अवधूत साठे और उनकी संस्था अवधूत साठे ट्रेडिंग अकादमी को बाजार गतिविधियों से पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया हैं। गौरतलब है कि मौजूद जानकारी के अनुसार अकादमी के माध्यम से हजारों प्रतिभागियों को लाइव ट्रेडिंग कॉल, एंट्री-एग्ज़िट पॉइंट और बैंक निफ्टी फ्यूचर्स तक के निर्देश दिए जाते थे, जिन्हें शिक्षा के बजाय अप्रत्यक्ष निवेश सलाह माना गया है। बता दें कि सेबी की जांच शिकायतों के बाद शुरू हुई थी, जिसमें कहा गया था कि पाठ्यक्रमों के नाम पर वास्तविक ट्रेडिंग कॉल दिए जा रहे थे और निजी व्हाट्सएप समूहों में तुरंत खरीद-बिक्री निर्देश प्रसारित किए जा रहे थे। जांच के दौरान कई वीडियो, संदेशों, भुगतान डेटा और प्रतिभागियों के बयान खंगाले गए जिनमें यह साबित हुआ कि केवल प्रशिक्षण नहीं बल्कि सीधे ट्रेडिंग निर्णयों का मार्गदर्शन दिया जा रहा था। सेबी ने अपने आदेश में यह भी उल्लेख किया है कि अकादमी द्वारा 'उच्च सफलता दर' वाले तरीकों के विज्ञापन और केवल मुनाफे के स्क्रीनशॉट दिखाए जाने से निवेशकों में गारंटीड रिटर्न जैसी गलत धारणा बनाई गई, जो निवेशक संरक्षण नियमों के विरुद्ध है। मौजूद तथ्य बताते हैं कि 6.75 लाख रुपये तक की फीस वसूल की जाती थी और बदले में लाइव कॉल व वास्तविक ट्रेडिंग सलाह उपलब्ध कराई जाती थी। सेबी ने साठे, अकादमी और निदेशक गौरी साठे को तत्काल प्रभाव से बाजार से बाहर कर दिया है और 546 करोड़ रुपये को सुरक्षित रखने के लिए बैंक खातों को फ्रीज करने के निर्देश दे दिए हैं। आदेश के अनुसार संबंधित पक्ष किसी भी रूप में निवेश सलाह, शोध, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट या रीयल-टाइम ट्रेडिंग कॉल से जुड़ी गतिविधि संचालित नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही सभी वित्तीय रिकॉर्ड, ग्राहक सूची, बैंक स्टेटमेंट और जीएसटी दस्तावेज सेबी को सौंपना अनिवार्य किया गया है। यह कार्रवाई न केवल साठे के प्रभाव क्षेत्र को देखते हुए बल्कि तेजी से बढ़ते ऐसे ऑनलाइन फिनफ्लुएंसर वर्ग के खिलाफ चेतावनी भी है, जो लाइसेंस के बिना बाजार सलाह देते हुए निवेशकों को जोखिम में धकेल रहे हैं। सेबी ने स्पष्ट कहा है कि शिक्षा के नाम पर विशिष्ट स्टॉक निर्देश देने, लाइव ट्रेडिंग करवाने या निजी समूहों में कॉल जारी करने जैसी गतिविधियों को अवैध सलाह की श्रेणी में रखा जाएगा क्योंकि यह व्यवहार सीधे बाजार सुरक्षा नियमों पर प्रहार करता है। इसी कारण यह मामला फिनफ्लुएंसर क्षेत्र के लिए कड़े मानक तय करता है और आगे भी ऐसे मामलों में कठोर कदम उठाए जाने की संभावना को मजबूत करता है, जिसे सेबी निवेशकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक मानता है।

## आरबीआई ने रेपो रेट 25 बेसिस प्वाइंट घटाकर 5.25इ किया, महंगाई में ऐतिहासिक गिरावट से उधारी सस्ती

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिज़र्व बैंक ने 5 दिसंबर 2025 को मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान अपना मानक रेपो रेट 25 बेसिस प्वाइंट घटाकर 5.25इ कर दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह कटौती उसी ईज़िंग चक्र का अंतिम चरण मानी जा रही है, जिसे आरबीआई ने वर्ष की शुरुआत में शुरू किया था और जून में 50 बेसिस प्वाइंट की बड़ी कमी देखने को मिली थी।

बता दें कि अक्टूबर 2025 में खुदरा महंगाई मात्र 0.25इ दर्ज की गई, जिसे हाल के वर्षों का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट और उपभोक्ता सामानों पर टैक्स में कटौती के चलते यह परिदृश्य संभव हुआ है। गौरतलब है कि पिछले कई तिमाहियों में जीडीपी वृद्धि दर 8इ से ऊपर बनी हुई है, जिसके बावजूद आरबीआई ने अर्थव्यवस्था के ओवरहीट होने से बचने और खपत व निवेश को संतुलित समर्थन देने का विकल्प चुना है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई दबाव में उल्लेखनीय कमी और आर्थिक आधार की मजबूती के चलते मौद्रिक नरमी लागू की गई है। नीति रुख को न्यूट्रल रखने का निर्णय यह संकेत देता है कि 2026 तक दरों में और कटौती की संभावना सीमित है। बैंक की आंतरिक प्रोजेक्शन के अनुसार आगामी वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6 से 6.5इ और महंगाई 3 से 4इ के दायरे में रह सकती है।

प्री-मीटिंग विश्लेषणों में भी अधिकांश अर्थशास्त्रियों ने 25 बेसिस प्वाइंट कटौती की आशंका जताई थी, जो अब सही साबित हुई है। रेट निर्णय के बाद वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत देखने को मिले हैं और गृह ऋण, वाहन ऋण तथा कारोबारी कर्ज की ब्याज लागत में और कमी आने की उम्मीद मजबूत हो गई है। मौद्रिक नरमी का यह दौर, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच घरेलू मांग और निवेश को संतुलित गति देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके प्रभाव आने वाले महीनों में स्पष्ट होते दिखाई देंगे।

## अमीषा पटेल ने जया बच्चन के कमेंट पर दिया रिएक्शन

# एक्ट्रेस ने पैपराजी से कहा- हंसकर-मुस्कुराकर जो कुछ भी पैप्स से वह बोलीं, उससे उन्होंने दिल जीत लिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल जिस भी महफिल में जाती हैं, उसे अपने नाम कर लेती हैं। उनको देखते ही पैपराजी उन्हें अपने कैमरे में कैद करने के लिए उत्सुक दिखते हैं। अमीषा पटेल हाल ही में पब्लिक प्लेस पर स्पॉट हुईं तो पैपराजी के कैमरे में उनकी तरफ घूम गए। इस दौरान पैपराजी ने उनसे दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन के बयान पर रिएक्शन मांगा। इस पर अमीषा पटेल ने मुस्कुराते हुए जो बात कही, उससे सभी काफी खुश हो गए। बताते चलें कि जया बच्चन ने पैपराजी को 'चूहा' कह दिया था। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने क्या कहा है।

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें आप देख सकते हैं कि अमीषा पटेल किसी इवेंट के बाहर स्पॉट हुईं और पैपराजी से बात करते नजर आ रही हैं। इस दौरान अमीषा पटेल से जया बच्चन के पैपराजी को लेकर दिए गए बयान पर रिएक्शन मांगा। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और जया जी के पास अपना ओपनियन रखने का पूरा हक है। लेकिन मैं आप सबसे बहुत प्यार करती हूं। आई लव मीडिया। आप लोग बहुत मेहनत करते हो और आप सभी बहुत अच्छे हैं।'

गौरतलब है कि जया बच्चन ने बीते दिनों एक इंटरव्यू के दौरान पैपराजी को लेकर कहा था, 'ये गंदे पैंट पहनकर और मोबाइल लेकर आ जा जाते हैं। चूहों की तरह कहीं भी किसी के भी घर में घुस जाते हैं। इनके पास फोन है तो इनको ऐसा लगता है कि किसी की भी फोटो खींचने का हक मिल गया है।' बताते चलें कि जया बच्चन के वीडियोज अक्सर वायरल होते हैं जब वह पैपराजी से गुस्सा होते नजर आती हैं और इसके बाद उन्हें जमकर ट्रोल किया जाता है।

# 'मगरमच्छों से भरा है बॉलीवुड', दिव्या खोसला ने इंडस्ट्री पर निकाली भड़ास, भूषण कुमार से तला

एक्ट्रेस दिव्या खोसला ने कुछ ही फिल्मों में काम किया है लेकिन वह अक्सर चर्चा में आ जाती हैं। उनकी प्रोफेशनल लाइफ के साथ निजी जिंदगी सुर्खियों में रहती हैं। इसी बीच दिव्या खोसला ने सोशल मीडिया पर 'आस्क मी एनीथिंग' के सवालों के जवाब दिए हैं। इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड को लेकर अपनी राय रखी है। इसके साथ ही दिव्या खोसला ने पति भूषण कुमार के साथ तलाक की खबरों पर भी रिएक्शन दिया है। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने क्या कहा है।

दिव्या खोसला ने रेडिट पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा और लोगों की जिज्ञासाओं को शांत किया। उनसे लोगों ने प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों तरह के सवाल किए और दिव्या खोसला ने उनका जवाब दिया। एक यूजर ने पूछा, 'बॉलीवुड में टॉक्सिक माहौल और प्रेशर के बीच आप अपनी मेंटल हेल्थ का ध्यान कैसे रखती हैं? आप हमेशा बहुत पॉजिटिव और काफी मासूम लगती हैं।' इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, 'मुझे खुद लगता है कि बॉलीवुड एक ऐसी जगह है जहां हर तरफ मगरमच्छ हैं और आपको इससे अपना रास्ता निकालना होगा। मुझे लगता है कि सबसे जरूरी बात ये है कि आप खुद के प्रति ईमानदार रहें। मैं काम पाने के लिए अपनी आत्मा का सौदा कभी नहीं करूंगी। अगर होता है तो ठीक नहीं होता है तो भी ठीक है। इससे भी ज्यादा जरूरी है कि जब आप ऊपर पहुंचे तो आपके पास अपने साथ ले जाने के लिए अच्छे कर्मों की लिस्ट होनी चाहिए।'

दिव्या खोसला से एक यूजर ने सवाल किया, 'आपका तलाक हो गया है?' उन्होंने कहा, नहीं, लेकिन मीडिया सच में ऐसा चाहता है। बताते चलें कि दिव्या खोसला और उनके पति भूषण कुमार के तलाक की खबरें इस साल की शुरुआत में आई थीं। हालांकि, दोनों ने इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया था। अब दिव्या खोसला ने तलाक की अफवाहों को खारिज कर दिया है।

# अनमोल बिश्नोई की रिमांड बढ़ी, एनआईए मुख्यालय में सुरक्षा घेरे में हुई सुनवाई, 7 दिन और हिरासत में

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विशेष एनआईए न्यायाधीश ने शुक्रवार को अनमोल बिश्नोई की हिरासत अवधि सात दिनों के लिए यानी 12 दिसंबर तक बढ़ा दी। उन्होंने बिश्नोई पर खतरे के मद्देनजर एनआईए मुख्यालय में सुनवाई की। अनमोल बिश्नोई, जिसे अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया था, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई है। इससे पहले, बिश्नोई ने अपनी जान को खतरा बताते हुए एक आवेदन दायर किया था। इसके बाद, अदालत ने एनआईए मुख्यालय में सुनवाई करने का फैसला किया।

विशेष एनआईए न्यायाधीश प्रशांत शर्मा एनआईए मुख्यालय गए और वहाँ सुनवाई की। एनआईए ने विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) राहुल त्यागी और अमित रोहिला के माध्यम से अनमोल बिश्नोई की सात दिनों की और हिरासत मांगी। यह दलील दी गई कि मामले की जांच के लिए और हिरासत की आवश्यकता है। यह भी कहा गया कि अनमोल बिश्नोई से पूछताछ के दौरान कुछ संवेदनशील जानकारी सामने आई है। वकील रजनी और दीपक खत्री अनमोल बिश्नोई की ओर से पेश हुए और हिरासत रिमांड बढ़ाने का विरोध किया।

सुनवाई के बाद, विशेष एनआईए न्यायाधीश ने हिरासत को और सात दिनों के लिए बढ़ा दिया। उन्हें पहले की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया था। विशेष एनआईए अदालत ने अनमोल बिश्नोई की आवाज और लिखावट के नमूने लेने की अनुमति मांगने वाले दो आवेदनों को भी स्वीकार कर लिया है। दिन में, पंजाब पुलिस ने अनमोल बिश्नोई की हिरासत मांगने के लिए विशेष एनआईए अदालत का दरवाजा खटखटाया। एनआईए के विशेष लोक अभियोजक ने इसका विरोध किया और कहा कि एनआईए को अनमोल बिश्नोई की और हिरासत की आवश्यकता है।

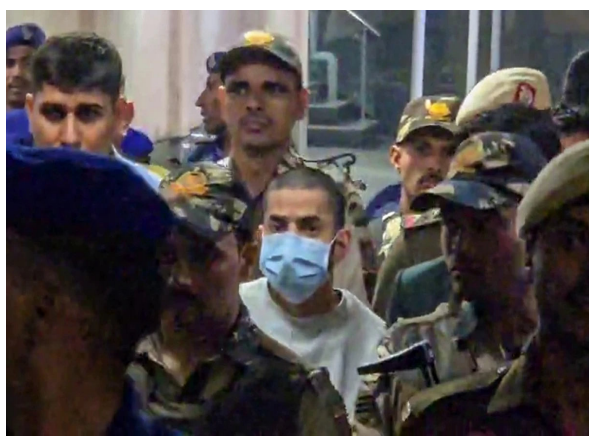

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और उसके गुर्गों ने मिलकर केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन जुटाने और युवाओं की भर्ती करने की साजिश रची थी। इसका पर्दाफाश किया जाना ज़रूरी है। 18 नवंबर को ग्यारह दिनों की हिरासत देते हुए, अदालत ने कहा, 'आवेदन में उल्लिखित पहलुओं के संबंध में आरोपी की भूमिका की जाँच की जानी चाहिए। कथित साजिश में आरोपी की भूमिका, उसके खिलाफ सबूत, अपराध करने के लिए उसके द्वारा इस्तेमाल की गई कार्यप्रणाली, आतंकी साजिश को अंजाम देने के लिए उसके द्वारा इस्तेमाल किए गए धन के स्रोत और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह द्वारा अंजाम दी गई आतंकी गतिविधियों की ज़िम्मेदारी लेने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स का विवरण जैसे पहलुओं की जाँच की जानी चाहिए।'

# पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' की हुंकार, पीएम मोदी 20 दिसंबर को राणाघाट में करेंगे चुनावी शंखनाद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के राणाघाट में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। यह बैठक पश्चिम बंगाल में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले आयोजित की जाएगी। बताया जा रहा है कि यह बैठक नादिया जिले के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखकर आयोजित की जा रही है। पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता डॉ. अनिरबन गांगुली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के राणाघाट में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

एक तरह से, 2026 में होने वाली यह जनसभा पश्चिम बंगाल के परिवर्तन में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी। नादिया जिला पश्चिम बंगाल के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण जिला है। राणाघाट से कुछ किलोमीटर दूर शांतिपुर में, महान बंगाली विद्वान और रामायण के अनुवादक कृत्तिबास ओझा का एक स्मारक है। उन्होंने कहा कि फुलिया शहर अपने सदियों पुराने वस्त्रों और साड़ियों के लिए जाना जाता है।

नादिया के संदर्भ में प्रधानमंत्री का विकास और विरासत का दृष्टिकोण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पिछले 15 वर्षों में, बंगाल में इन जिलों की विरासत को देखते हुए, वर्तमान तृणमूल सरकार की ओर से ऐसे जिलों के लिए कोई रोडमैप नहीं बनाया गया है। इनमें से प्रत्येक जिले में महत्वपूर्ण क्षमता है जिसे तलाशने की आवश्यकता है।

इन जिलों में विकास और विरासत के लिए प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण वर्तमान समय में आवश्यक और प्रासंगिक है। उन्होंने टीएमसी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि नादिया एक सीमावर्ती जिला है, टीएमसी विधानसभा चुनावों में अपने घुसपैठियों के वोट बैंक का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है और हमेशा उन्हें बचाने की कोशिश करती है। उन्होंने वामपंथी कम्युनिस्ट सरकार के शासन के दौरान भी इस वोट बैंक का इस्तेमाल किया है। नादिया में, विभाजन के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में सीएए को लागू करने सहित लगातार इसके निवासियों के लिए काम किया है।

अंत में, उन्होंने कहा क यह जनसभा पश्चिम बंगाल में एक परिवर्तनकारी शक्ति का काम करेगी। प्रधानमंत्री ने नादिया के रानाघाट को उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए चुना है। उनके इस दौरे में 'व्यापक' जनभागीदारी की उम्मीद है। प्रधानमंत्री इस दौरे में पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के बीच केंद्र सरकार की प्रमुख पहलों, चल रही बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं और बंगाल के भविष्य के रोडमैप पर प्रकाश डालेंगे। गुरुवार को, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गई विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में 40 लोगों की जान जा चुकी है और इसका इस्तेमाल राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है।

## अमित शाह ने स्वदेशोत्सव 2025 का किया उद्घाटन, आत्मनिर्भर भारत के विजन को मिला नया मंच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय मैदान में 'स्वदेशोत्सव 2025' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह राष्ट्रव्यापी एक्सपो 5 दिसंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक चलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद, गृह मंत्री ने स्वदेशी की शक्ति का प्रतीक 'स्वानुभूति प्रदर्शनी' का भी अनावरण किया।

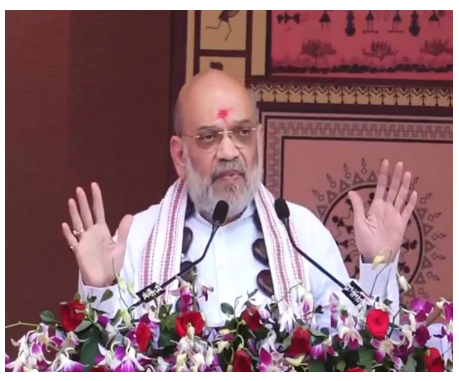

इस स्वदेशी उत्सव के दौरान ज्ञान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सेमिनार आयोजित किए गए हैं, ऐसा विज्ञप्ति में कहा गया है। तदनुसार, 5 दिसंबर को उद्घाटन दिवस पर पर्यावरण संकल्प सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 6 दिसंबर को स्टार्टअप उडान 2025 और स्वदेशी संकल्प अभियान पर सत्र निर्धारित हैं। 7 दिसंबर के सत्र मातृशक्ति की भूमिका और साइबर सुरक्षा जागरूकता पर केंद्रित होंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 8 दिसंबर को आयुर्वेद और स्वास्थ्य के साथ-साथ बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सेमिनार होंगे।

अंतिम दिन, 9 दिसंबर को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती पर चर्चा होगी। साथ ही, प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।स्वदेशोत्सव ज्ञान, कला और स्वदेशी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करेगा। विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर स्वर्णिम जागरण मंच के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

## बांसुरी स्वराज ने ब्रज घाट पर पिता स्वराज कौशल की अस्थियां गंगा में विसर्जित कीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मिजोरम के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल के अंतिम संस्कार के एक दिन बाद उनकी बेटी और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने शुक्रवार सुबह बृजघाट पर परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों के साथ उनकी अस्थियां गंगा में विसर्जित कीं।

बांसुरी स्वराज हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार अस्थि विसर्जन करने के लिए करीबी रिश्तेदारों के साथ बृजघाट पहुंचीं। नम आंखों से उन्होंने अपने पिता की अस्थियों के विसर्जन के लिए विभिन्न रस्में पूरी कीं जबकि पंडितों ने पारंपरिक पूजा-पाठ किया। स्थानीय जन प्रतिनिधि, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ घाट पर पहुंचे और कौशल को श्रद्धांजलि दी। एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि अस्थि विसर्जन पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। 73 वर्षीय स्वराज कौशल, भाजपा की दिवंगत वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के पति थे। उनकी बृहस्पतिवार को सीने में दर्द की शिकायत के बाद दिल का दौरा पड़ने से दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मौत हो गई थी।

# नीतीश के बेटे निशांत कुमार का राजनीति में पदार्पण? जेडीयू नेताओं ने दिए बड़े संकेत

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में आने की अटकलों को हवा देते हुए, जदयू के वरिष्ठ नेता संजय कुमार झा ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी के लोग, उसके शुभचिंतक और समर्थक चाहते हैं कि निशांत जी आएं और पार्टी के लिए काम करें। उन्होंने यह टिप्पणी निशांत कुमार की मौजूदगी में की, जिन्होंने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों के बारे में बात की, जिसमें सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की और जदयू ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। निशांत कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि यह सब जनता का आशीर्वाद है। लोगों ने एक बार फिर हम पर अपना विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता नीतीश कुमार ने पहले भी अपने वादे पूरे किए हैं और इस बार भी करेंगे। एनडीए ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाकर चुनाव लड़ा था। जदयू अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा था कि सक्रिय राजनीति में आने के समय पर फैसला निशांत कुमार को ही लेना है। जदयू नेता ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी के लोग, पार्टी के शुभचिंतक, पार्टी के समर्थक और पार्टी में हर कोई चाहता है कि निशांत जी (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे) पार्टी में आकर काम करें। हम सभी यही चाहते हैं। अब उन्हें फैसला करना है। उन्हें तय करना है कि वह कब फैसला लेंगे और पार्टी में काम करेंगे। विधानसभा चुनाव से पहले एक साक्षात्कार में संजय झा ने एएनआई को बताया था कि पार्टी उनके बेटे के राजनीतिक पदार्पण पर नीतीश कुमार के फैसले को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने जदयू की स्थापना की थी और अपने बेटे निशांत कुमार के राजनीतिक पदार्पण के बारे में कोई भी फैसला उन्हें ही लेना है। उन्होंने कहा कि यह निशांत कुमार की रुचि पर भी निर्भर करता है।

# अमेरिका की नई यात्रा नीति : 'हत्यारे, जोंक' कहने वाली मंत्री के तीखे बयान के बाद कई देशों पर गाज गिरेगी

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका में यात्रा प्रतिबंध को लेकर एक बार फिर कड़ा रुख सामने आया है। मौजूद जानकारी के अनुसार अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई वाला प्रशासन मौजूदा 19 देशों की सूची को बढ़ाकर 30 से अधिक देशों तक ले जाने की तैयारी में है। गौरतलब है कि नोएम ने सटीक संख्या और देशों के नाम बताने से इंकार किया, लेकिन यह स्पष्ट किया कि सूची 30 के आंकड़े से ऊपर जा रही है और राष्ट्रपति लगातार समीक्षा कर रहे हैं।

बता दें कि जून 2025 में जारी किए गए एग्ज़िक्यूटिव ऑर्डर के तहत अफ्रीका, मध्य पूर्व और कैरेबियन क्षेत्र के 19 देशों से प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। इन देशों पर वेटिंग क्षमता की कमी, वीज़ा ओवरस्टे और 'वापस आने' में जटिलताओं को मुख्य कारण माना गया था। अब प्रशासन इस नीति को और कड़ा कर रहा है, जिसमें उन देशों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिनकी सरकारें स्थिर नहीं मानी जातीं और जो यात्रियों की सही पहचान व सुरक्षा जांच में सक्षम नहीं हैं।

संदर्भ के तौर पर यह भी उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 2025 को व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी में एक नेशनल गार्ड सदस्य की मौत और दूसरे के घायल होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों पर दबाव और बढ़ा है। मौजूद रिपोर्टों के अनुसार हमलावर अफगान मूल का व्यक्ति था, जो 2021 में अमेरिका आया और उसे अप्रैल 2025 में शरण दी गई थी। इसी घटना ने ट्रंप प्रशासन को पिछले वेटिंग ढांचे और सुरक्षित प्रवेश नीति की पुनः जांच की दिशा में धकेला है।

गौरतलब है कि हाल ही में नोएम के तीखे बयान जिनमें उन्होंने कुछ देशों से आने वालों को 'हत्यारे, जोंक और जंक ' कहकर कठोर शब्दों का इस्तेमाल किया था ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना को जन्म दिया था। फिर भी प्रशासन की समीक्षा प्रक्रिया जारी है और राष्ट्रपति ने संकेत दिए हैं कि 'तीसरी दुनिया के देशों' के लिए स्थायी प्रतिबंध भी विकल्पों में शामिल हैं।

फिलहाल व्हाइट हाउस या गृह सुरक्षा विभाग की ओर से सूची जारी होने की तारीख और विस्तृत मानदंड साझा नहीं किए गए हैं, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि यह कदम सीमा सुरक्षा, प्रवास नियंत्रण और राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के अगले चरण का संकेत देने वाला है। नीति का स्वरूप कैसा होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन वैश्विक आवाजाही पर इसका प्रभाव गहरा होने की आशंका पहले ही जताई जा चुकी है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस पर नज़र बनाए हुए हैं।

### पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा बंद

# हफ्तों से फंसे ट्रक, संतरे का निर्यात ठप्प छोटे कारोबारियों पर मंडरा रहा खतरा

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। अफ़ग़ानिस्तान में माल ले जा रहे दर्जनों पाकिस्तानी ट्रक चालक प्रमुख सीमा चौकियों पर हफ़्तों से फंसे हुए हैं। ये लोग पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच बढ़ते गतिरोध का शिकार हैं, जिससे क्षेत्रीय व्यापार ठप हो गया है। महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों के बंद होने से सैकड़ों वाहन सीमा पार बिंदुओं पर खड़े हैं, जहाँ भोजन, धन और आश्रय से वंचित चालक विकट परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, निर्यातकों और लॉजिस्टिक्स फर्मों ने कहा कि सीमा पार परिचालन के निलंबन ने अफ़ग़ानिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई देशों को भेजे जाने वाले पाकिस्तानी किन्नू निर्यात और अन्य शिपमेंट की आवाजाही लगभग ठप कर दी है। 11 अक्टूबर से लागू सीमा बंद, पाकिस्तानी और अफ़ग़ान बलों के बीच भारी झड़पों के बाद हुआ है, जो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से सबसे गंभीर है, जब इस्लामाबाद ने काबुल पर अपने क्षेत्र से सक्रिय आतंकवादियों पर अंकुश लगाने में विफल रहने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान संयुक्त चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष जुनैद मकदा ने कहा कि किन्नू निर्यातकों, मालवाहक संचालकों और लॉजिस्टिक्स फर्मों को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ है, और जल्दी खराब होने वाला सामान सीमा चौकियों पर सड़ रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापार बंद ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुआ है जब किन्नू का निर्यात आमतौर पर अपने मौसमी उच्च स्तर पर पहुँच जाता है, जिससे किसानों से लेकर ट्रांसपोर्टरों तक पूरी आपूर्ति श्रृंखला में वित्तीय संकट पैदा हो जाता है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मकदा ने ईरान और मध्य एशियाई बाजारों में ईरान के माध्यम से किन्नू निर्यात को जटिल वित्तीय आवश्यकताओं से छूट देने के प्रस्ताव को ठुकराने के लिए स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान की भी आलोचना की।

पाकिस्तान ने पिछले साल 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के किन्नू निर्यात किए थे। फिर भी, मौजूदा संकट के कारण इस साल की कमाई घटकर 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहने की उम्मीद है। द्विपक्षीय और क्षेत्रीय माल ले जाने वाले हज़ारों कंटेनर पाकिस्तान भर में फंसे हुए हैं, जिससे व्यापारियों और क्लियरिंग एजेंटों को प्रति कंटेनर 150-200 अमेरिकी डॉलर का दैनिक विलंब शुल्क चुकाना पड़ रहा है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मकदा ने अधिकारियों से इन जुर्माने को तुरंत माफ करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि छोटे व्यवसाय और निर्यातक बर्बादी के कगार पर हैं।

## कुडनकुलम में बन रहा भारत का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र, भारत-रूस रणनीतिक सहयोग का प्रतीक

मॉस्को **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को ऊर्जा, चिकित्सा, तकनीक और वैश्विक मंचों पर नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। राष्ट्रपति पुतिन ने कहाः 'हम भारत के कुडनकुलम में सबसे बड़ा भारतीय परमाणु ऊर्जा संयंत्र बना रहे हैं। छह में से दो इकाइयाँ पहले ही ग्रिड से जुड़ चुकी हैं और चार निर्माणाधीन हैं। पूरी तरह से चालू होने पर, यह भारत की स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा आवश्यकताओं में एक बड़ा योगदान देगा।' कुडनकुलम परियोजना को भारत-रूस परमाणु सहयोग का सबसे बड़ा प्रतीक बताया जा रहा है, जो आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगा। पुतिन ने बताया कि दोनों देश अब पारंपरिक परियोजनाओं से आगे बढ़कर उन्नत तकनीकों पर भी काम कर रहे हैं- 'हम चिकित्सा और कृषि में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों, तैरते परमाणु संयंत्रों और गैर-ऊर्जा परमाणु तकनीकों की भी खोज कर रहे हैं।' स्वास्थ्य क्षेत्र में भी एक बड़ा कदम उठाते हुए पुतिन ने कहा- 'उन्नत भारतीय तकनीक का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाली ट्यूमर-रोधी दवाओं का उत्पादन करने के लिए कलुगा क्षेत्र में एक बड़ा रूसी-भारतीय दवा संयंत्र स्थापित किया जाएगा।' पुतिन ने आगे कहा कि रूसी उद्यम मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत विनिर्माण में भी भाग लेंगे।

## पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्कूली छात्राओं पर धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप, जांच शुरू

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कुछ हिंदू स्कूली छात्राओं को पढ़ाई जारी रखने के लिए कथित तौर पर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए कहा गया, जिसके बाद सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

नवंबर के अंत में, सिंध के मिरपुर साक्रो में स्थित सरकारी उच्च विद्यालय की कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने मीडिया को बताया था कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने कथित रूप से हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता-पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और उनके धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस आरोप के बाद आक्रोश फैल गया। माता-पिता ने यह दावा भी किया कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इनकार करने पर कुछ छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

## भारतीय वायु सेना की मदद से श्रीलंका में बहाल हो रहा सड़क संपर्क, 'सागर बंधु' के तहत राहत कार्य तेज़

कोलंबो **(एजेंसी)**। चक्रवात दित्वा से हुई तबाही के बाद, भारत ऑपरेशन सागर बंधु के तहत समन्वित बचाव, चिकित्सा और राहत कार्यों के माध्यम से श्रीलंका में अपनी मानवीय सहायता जारी रखे हुए है। चक्रवात दित्वा के कारण द्वीपीय राष्ट्र में 400 से अधिक लोग मारे गए थे। सड़क संपर्क बहाल करने के लिए, भारतीय वायु सेना का एक और सी-17 ग्लोबमास्टर गुरुवार को बेली ब्रिज इकाइयों के साथ कोलंबो पहुँचा। विदेश मंत्री के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस उड़ान से इंजीनियरों और चिकित्सा विशेषज्ञों सहित 25 कर्मियों का एक दल भी पहुँचा।

यह दूसरा भारतीय वायु सेना का सी-17 ग्लोबमास्टर है जो बेली ब्रिज इकाइयों के साथ कोलंबो पहुँचा। इस बीच, बुधवार रात पहुँचे भारतीय फील्ड इंजीनियरों ने चक्रवात दित्वा के कारण क्षतिग्रस्त हुए प्रमुख मार्गों पर महत्वपूर्ण सड़क संपर्क बहाल करने का काम शुरू कर दिया है। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि बेली ब्रिज इकाइयों के साथ कल रात पहुँचे भारतीय फील्ड इंजीनियर, टोही के लिए घटनास्थल पर पहुँच गए हैं। वे अब चक्रवात दित्वा के कारण क्षतिग्रस्त हुए प्रमुख मार्गों पर महत्वपूर्ण सड़क संपर्क बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं, जिससे ज़रूरतमंद समुदायों के लिए पहुँच बहाल करने में मदद मिल रही है। इसके अतिरिक्त, भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने कोटमाले के पास बचाव अभियान जारी रखा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)